



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 4] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 25, 2003 (माघ 5, 1924)
No. 4] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 25, 2003 (MAAGHA 5, 1924)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

[सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं]
[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिज़र्व बैंक

(व्यय और बजट नियंत्रण विभाग)

मुंबई-400 001, दिनांक 26 दिसंबर, 2002

संदर्भ: व्यवधानि. सं. 1--भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम 1934 (1934 का 2) की धारा 58 की उपधारा (2) के खण्ड (जे) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक, केंद्रीय बोर्ड, केंद्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी से भारतीय रिज़र्व बैंक कर्मचारी उपदान और अधिवर्षिता निधि नियमावली, 1975 में इसके द्वारा निम्नलिखित संशोधन कर रहे हैं, नामतः--
संक्षिप्त शीर्षक और आरंभ

- (i) इन विनियमों को भारतीय रिज़र्व बैंक कर्मचारी उपदान और अधिवर्षिता निधि (संशोधन) नियमावली, 2002 कहा जाएगा।
(ii) ये विनियम कार्यालयीन राजपत्र (गजट) में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।
- भारतीय रिज़र्व बैंक कर्मचारी उपदान और अधिवर्षिता निधि नियमावली, 1975 में।
(i) विनियम 3 के खण्ड (ग) के स्थान पर निम्नलिखित शब्दों को रखा जायेगा :--
“रिज़र्व बैंक द्वारा निश्चित की गयी ऐसी आवधिकता पर, उपदान और पेंशन के किये गये भुगतान के प्रति बैंक की देनदारी के बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर निर्धारित राशि।”
(ii) विनियम 5 के स्थान पर निम्नलिखित शब्दों को रखा जाएगा :--
“रिज़र्व बैंक, प्रत्येक वर्ष के अंत में भारतीय रिज़र्व बैंक कर्मचारी भविष्य निधि में एक राशि जमा करेगा जो उस वर्ष के अंत में निधि में मासिक शेष के गुणनफल पर आँकी गयी राशि होगी और इस राशि की ब्याज दर वही होगी जो रिज़र्व बैंक कर्मचारी भविष्य निधि में अंतिम रूप से जमा की गयी राशि की ब्याज दर थी।”

पो. बी. माथुर
कार्यपालक निदेशक

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
केंद्रीय कार्यालय
अधिसूचना

मुंबई, दिनांक 31 दिसंबर 2002

सं. पेंशन 4 बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970 (1970 का 5 की धारा 12 की उप-धारा (2) के साथ पठित धारा 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का निदेशक मंडल, भारतीय रिज़र्व बैंक से परामर्श करके और केन्द्र सरकार की पूर्व मंजूरी से, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया [कर्मचारी] पेंशन विनियम, 1995 में संशोधन करके एतद्द्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् -

1. (1) ये विनियम यूनियन बैंक ऑफ इंडिया [कर्मचारी] पेंशन (संशोधन) विनियम, 2002 कहलाएंगे।
- (2) इन विनियमों में अन्यथा स्पष्टतया उपलब्ध को छोड़कर, ये सरकारी राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।
2. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया [कर्मचारी] पेंशन विनियम 1995 में, -

(क) विनियम 2 में,

(i) उप-विनियम (ढ) के लिए, निम्नलिखित उप-विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"(ढ) 'कर्मचारी' से तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जो बैंक की सेवा में नियोजित है, चाहे स्थायी आधार पर पूर्णकालिक या वेतनमान पर स्थायी आधार पर अंशकालिक कर्मकार के रूप में हो या ऐसा अधिकारी जो इन विनियमों को चुनता है और इनसे शासित होता है लेकिन इसमें ऐसा व्यक्ति शामिल नहीं होगा जो संविदात्मक आधार पर या दैनिक वेतन के आधार पर या समेकित वेतन के आधार पर नियुक्त किया गया हो";

(ii) उप-विनियम (ण) में, खण्ड (ग) के लिए निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

"(ग) पुत्र या अविवाहित पुत्री या विधवा/तलाकशुदा पुत्री, जिसने पच्चीस वर्ष की आयु प्राप्त नहीं की है, तथा कानूनी रूप से गोद लिया गया पुत्र या पुत्री।"

"(घ) कर्मचारी के जीवित रहते हुए उस पर पूर्णतया आश्रित माता-पिता, बशर्ते कि मृत कर्मचारी ने अपने पीछे न तो विधवा/विधुर या बच्चा छोड़ा हो।"

(iii) उप-विनियम (घ) में,

(1) (क) और (ख) खण्डों के लिए निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

"(क) जो कर्मकार 1 जनवरी, 1986 को या उसके पश्चात्, लेकिन 1 नवम्बर, 1992 के पूर्व, या तो सेवानिवृत्त हो गया था या उसकी मृत्यु हो गयी थी, और जो अधिकारी 1 जनवरी, 1986 को या उसके पश्चात्, लेकिन 1 जुलाई, 1993 के पूर्व,

या तो सेवानिवृत्त हो गया था या उसकी मृत्यु हो गयी थी, के मामलों में,-

- i) मूल वेतन तथा अवरोध वेतनवृद्धियां, यदि हों, और
- ii) भविष्य निधि में अंशदान करने तथा महंगाई भत्ते के भुगतान के प्रयोजन हेतु गणना में लिए गए सभी भत्ते

(ख) जो कर्मकार 1 नवम्बर, 1992 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त हो गया था, या जिसकी सेवाकाल के दौरान मृत्यु हो गयी थी, और जो अधिकारी 1 जुलाई, 1993 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त हो गया था या जिसकी मृत्यु हो गयी थी के मामले में,-

- i) मूल वेतन तथा अवरोध वेतनवृद्धियां, यदि हों; और
- ii) भविष्य निधि में अंशदान करने तथा महंगाई भत्ते के भुगतान के प्रयोजन हेतु गणना में लिए गए सभी भत्ते; और
- iii) नियंत्रण त्रैयक्तिक भत्ते का वेतनवृद्धि घटक।";

"(ग) जो कर्मचारी 1 अप्रैल, 1998 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त हो गया था या जिसकी सेवा में रहते हुए मृत्यु हो गयी थी, के मामले में -

- (i) मूल वेतन तथा अवरोध वेतनवृद्धियां, यदि हो; और
- (ii) भविष्य निधि में अंशदान करने तथा महंगाई भत्ते के भुगतान के प्रयोजन हेतु गणना में लिए गए सभी भत्ते; और

iii) नियत वैयक्तिक भत्ते का वेतनवृद्धि घटक; और

(iv) महंगाई भत्ता उस पर श्रृंखला 1960= 100 में औद्योगिक कामगारों के लिए अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में सूचकांक 1616 अंकों तक उपर्युक्त परिकलित पर।

स्पष्टीकरण

इस खण्ड के प्रयोजन के लिए मूल वेतन, वेतन के अन्य घटकों और नियत वैयक्तिक वेतन का अर्थ मूल वेतन होगा, वेतनमान के अनुसार कर्मचारी द्वारा आहरित वेतन के अन्य घटक तथा नियत वैयक्तिक भत्ता, 1.11.1997 के पूर्व (कर्मचारों के मामले में) तथा 1.4.1998 के पूर्व (अधिकारियों के मामले में) लागू और देय वेतन के अन्य घटकों की दरों पर;

(ख) विनियम 3 में,

- (i) उप-विनियम (1) में, खण्ड (ग) में, ' _____ बैंक को उपर्युक्त रकम ' शब्दों के पश्चात् ' या 1 अप्रैल, 1995 तक, जो भी पहले हो ' शब्द जोड़े जाएंगे;
- (ii) उप-विनियम (7), में खण्ड (ख) में ' _____ बैंक को उपर्युक्त रकम ' शब्दों के पश्चात् ' या 1 अप्रैल, 1995 तक, जो भी पहले हो ' शब्द जोड़े जाएंगे;
- (iii) उप-विनियम (9) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-विनियम जोड़ा जाएगा,

अर्थात् :-

" (10) उप-विनियम (2), (5), (6) और (8) में निहित किसी बात के होते हुए भी, यदि कोई कर्मचारी 1 नवम्बर, 1993 को या उसके पश्चात् लेकिन 1 अप्रैल, 1995 को या उसके पूर्व सेवानिवृत्त हो गया था/उसकी मृत्यु हो गयी थी या यदि किसी कर्मचारी को बैंक की सेवा में रहते हुए, 1 नवम्बर, 1993 को या उसके पश्चात् लेकिन 1 अप्रैल, 1995 को या उसके पूर्व, मृत्यु हो गयी थी तो ऐसा कर्मचारी या मृत कर्मचारी का परिवार, यथास्थिति, उपर्युक्त उप-विनियमों में उल्लिखित अवधि के भीतर भविष्य निधि में बैंक के अंशदान की संपूर्ण राशि तथा उस पर उपचित ब्याज और भविष्य निधि खाते के निपटान की तारीख से बैंक को उपर्युक्त राशि वापस करने की तारीख तक या 1 अप्रैल, 1995 तक, जो भी पहले हो, उक्त रकम पर छह प्रतिशत की वार्षिक दर से अतिरिक्त साधारण ब्याज के साथ वापस करेगा।";

(ग) विनियम 12 के लिए, निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

"(12) निधि का निवेश : निधि में अंशदान की गई या प्राप्त या उस तारीख के पश्चात् निधि पर ब्याज या अन्यथा के रूप में उपचित संपूर्ण राशि, भारत में डाक घर बचत बैंक खाते या किसी अनुसूचित बैंक के चालू खाते या बचत बैंक खाते में जमा की जा सकेगी या पेंशन विनियम के अनुसार पेंशन लाभ का भुगतान करने हेतु उपयोग में लाई जा सकेगी। जो रकम इस प्रकार जमा नहीं की गई है या जिसका उपयोग नहीं किया गया है उसका आयकर नियम, 1962 के नियम 67 के उप-नियम (2) में उल्लिखित अनुसार निवेश किया जाएगा।";

(घ) विनियम 18 में, निम्नलिखित परंतुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :-

"परंतु, इस विनियम के उपबंध किसी कर्मचारी को पेंशन हेतु पात्र बनने के लिए अपेक्षित न्यूनतम सेवा निर्धारित करने हेतु लागू नहीं होंगे।"

(ङ) विनियम 27 में, उप-विनियम (2) के लिए, निम्नलिखित उप-विनियम प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

"(2) जो अंशकालिक कर्मचारी प्रारंभ में न्यूनतम वेतनमान पर नियुक्त किया गया था/है और बाद में उसका नियतन, पूर्ण वेतनमानों सहित, उच्चतम वेतनमान में किया गया था/जाता है, के मामले में, पेंशन राशि की गणना करने के प्रयोजन से अर्हता सेवा की अवधि का निर्धारण परिशिष्ट IV के अनुसार किया जाएगा।

(3) जो अंशकालिक कर्मचारी अपनी सेवानिवृत्ति तक उसी वेतनमान में जारी रहते हैं, के मामले में पेंशन राशि की गणना करने के प्रयोजन से, पूर्ण वास्तविक सेवा को अर्हता सेवा माना जाएगा। ऐसे मामलों में, सेवानिवृत्ति के समय वेतनमान पर आहरित वास्तविक वेतन को औसत परिलब्धियों के प्रयोजन हेतु गिनती में लिया जाएगा।

"टिप्पणी

वास्तविक सेवा/अर्हता सेवा की गणना सेवानिवृत्ति की तारीख से या 1.9.1978 से, जो भी बाद में हो, की जाएगी।";

(च) विनियम 32 में, शब्द 'और' खण्ड (क) के अंत में जोड़ा जाएगा;**(छ) विनियम 33 में, उप-विनियम (1) के लिए, निम्नलिखित उप-विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-**

"(1) यूनियन बैंक ऑफ इंडिया अधिकारी कर्मचारी (अनुशासन एवं अपील) विनियम 1976 या पंचाटों/समझौतों के अनुसार, 1 नवम्बर, 1993 को या

उसके पश्चात् दंड के रूप में अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त कर्मचारी को, ऐसा दंड लगाने के लिए सक्षम प्राधिकारी से उच्च प्राधिकारी द्वारा, दो-तिहाई से कम नहीं और यदि वह उस तारीख को अधिवर्षिता पर ऐसी पेंशन का पात्र होता तो उसकी अनिवार्य सेवानिवृत्ति की तारीख को उसे स्वीकार्य पूर्ण पेंशन से अधिक नहीं, की दर से पेंशन मंजूर की जाए।"

(ज) विनियम 34 में, उप-विनियम (2) के लिए, निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित

किया जाएगा, अर्थात् :-

"(2) विनियम 3 के उप-विनियम (7) में निहित उपबंधों द्वारा शासित मृत कर्मचारी का परिवार पेंशन या परिवार पेंशन, यथास्थिति, के लिए 1 नवम्बर, 1993 से पात्र होगा।";

(झ) विनियम 35 में, उप-विनियम (1) के लिए, निम्नलिखित उप-विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"(1) मूल पेंशन तथा अतिरिक्त पेंशन, जहां भी लागू हो, पारेशिष्ट-I में दिए गए फार्मूले के अनुसार अद्यतन बनाई जाएगी।";

(ञ) विनियम 36 के लिए, निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"(36) . न्यूनतम पेंशन - न्यूनतम पेंशन की राशि निम्नानुसार होगी -

(क) जहां कर्मचारी (कर्मकारों के मामले में) 1 नवम्बर, 1992 के पूर्व या (अधिकारियों के मामले में) 1 जुलाई, 1993 के पूर्व सेवानिवृत्त हो गया था, वहां कर्मचारी के मामले में, अंशकालिक कर्मचारी को छोड़कर, रुपये तीन सौ पचहत्तर प्रतिमाह और 1 नवम्बर, 1992 के पूर्व सेवानिवृत्त हुए अंशकालिक कर्मचारी के मामले में वेतनमान की दर के संबंध में उसकी आनुपातिक राशि;

(ख) जब कर्मचारी (कर्मकारों के मामले में) 1 नवम्बर, 1992 को या उसके पश्चात् या (अधिकारियों के मामले में) 1 जुलाई, 1993 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त हो गया था, वहां कर्मचारी के मामले में, अंशकालिक कर्मचारी को छोड़कर, रुपये सात सौ बीस प्रतिमाह और 1 नवम्बर, 1992 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त हुए अंशकालिक कर्मचारी के मामले में वेतनमान की दर के संबंध में उसकी आनुपातिक राशि;

(ग) जहां कर्मचारी 1 अप्रैल, 1998 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त हो गया था, वहां कर्मचारी के मामले में, अंशकालिक कर्मचारी को छोड़कर, रुपये एक हजार पन्द्रह प्रति माह और जहां अंशकालिक कर्मचारी 1 अप्रैल, 1998 को या उसके पश्चात्

सेवानिवृत्त हुआ है वहां एक-तिहाई वेतन पाने वाले अंशकालिक कर्मचारी के मामले में रुपये तीन सौ उनतालीस प्रतिमाह, आधा वेतन पाने वाले अंशकालिक कर्मचारी के मामले में रुपये पांच सौ आठ प्रतिमाह तथा तीन चौथाई वेतन पाने वाले अंशकालिक कर्मचारी के मामले में रुपये सात सौ बासठ प्रतिमाह।";

(ट) विनियम 39 में, -

(i) उप-विनियम (1) में, निम्नलिखित परंतुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :-

"परंतु, जो कर्मचारी 1 जनवरी, 1986 को या उसके पश्चात् बैंक की सेवा में थे तथा 31 अक्तूबर, 1987 को या उसके पूर्व सेवा में रहते हुए उनकी मृत्यु हो गयी थी या 31 अक्तूबर, 1987 को या उसके पूर्व सेवानिवृत्त हो गए थे परंतु उनकी मृत्यु बाद में हुई थी, ऐसे मृतक कर्मचारी का परिवार पेंशन का पात्र होगा, जिसकी रकम परिशिष्ट V के अनुसार निर्धारित की जाएगी।"

(ii) उप-विनियम (3) में, खण्ड (क) में, उप-खण्ड (ii) में, शब्द, कोष्ठक, शब्द 'या खण्ड (ख) निकाले जाएंगे;

(iii) उप-विनियम (3) में, खण्ड (क) में, उप-खण्ड (ii) के पश्चात्, निम्नलिखित परंतुक शामिल किया जाएगा, अर्थात् :-

"परंतु, इस खण्ड के अंतर्गत निर्धारित परिवार पेंशन की राशि किसी भी दशा में बैंक से सेवानिवृत्त पर अनुमोदित पेंशन से अधिक नहीं होगी। यदि कर्मचारी की सेवानिवृत्ति पर उसे अनुमोदित पेंशन साधारण दर पर परिवार पेंशन की राशि से कम है तो परिवार को साधारण दरों पर परिवार पेंशन की अनुमति दी जाएगी।

स्पष्टीकरण : इस उप-खण्ड के प्रयोजन हेतु, "सेवानिवृत्ति पर प्राधिकृत पेंशन" में पेंशन का वह अंश शामिल है जो सेवानिवृत्त कर्मचारी ने मृत्यु के पूर्व संराशीकृत किया होता।"

(ठ) विनियम 40 में,

(i) उप-विनियम (1) में, खण्ड (ख) और (ग) के लिए, निम्नलिखित खण्ड तथा परंतुक प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :

"(ख) पुत्र या पुत्री (विधवा/तलाकशुदा सहित) के मामले में जब तक वह पच्चीस वर्ष का/की नहीं हो जाता/जाती या उसके विवाह/पुनर्विवाह तक, जो भी पहले हो :

परंतु, जब पात्र पुत्र/पुत्री सरकारी/निजी क्षेत्र/स्व-नियोजन आदि में नियोजन से रु.2550/- प्रतिमाह से अधिक रकम प्राप्त करना शुरू कर देता/देती है तो पुत्रों/पुत्रियों (विधवा/तलाकशुदा सहित) को देय

पेंशन बंद कर दी जाएगी/स्वीकार्य नहीं होगी।

परंतु, यदि किसी कर्मचारी का पुत्र या पुत्री किसी मानसिक विकार या अशक्तता से ग्रस्त है या शारीरिक रूप से इस प्रकार अपंग या विकलांग है कि वह पच्चीस वर्ष का/की होने पर भी जीवन-निर्वाह के लिए कमा नहीं सकता/सकती तो ऐसे पुत्र या पुत्री को निम्नलिखित शर्तों के अधीन आजीवन परिवार पेंशन का भुगतान किया जाएगा : -

(i) यदि ऐसा पुत्र या पुत्री, कर्मचारी के दो या दो से अधिक बच्चों में से है तो प्रारंभ में परिवार पेंशन उप-विनियम (1) के खण्ड (इ) में निर्धारित अनुसार अवयस्क बच्चे को देय होगी और वह तब तक देय होगी जब तक कि अंतिम अवयस्क बच्चा पच्चीस वर्ष का नहीं हो जाता और उसके पश्चात् परिवार पेंशन मानसिक विकार या अशक्तता से ग्रस्त या शारीरिक रूप से अपंग या विकलांग पुत्र या पुत्री के पक्ष में पुनः आरंभ की जाएगी और उसे आजीवन देय होगी;

(ii) यदि मानसिक विकार या अशक्तता से ग्रस्त या शारीरिक रूप से अपंग या विकलांग बच्चे एक से अधिक हैं तो परिवार पेंशन उनके जन्म के क्रम से दी जाएगी और उसमें से सबसे कम उम्र के पुत्र या पुत्री को परिवार पेंशन तभी मिलेगी जब उससे बड़े/बड़ी की पात्रता समाप्त हो जाएगी :

परंतु, जहां परिवार पेंशन ऐसे जुड़वा बच्चों की देय है वहां यह उप-विनियम (1) के खण्ड (च) में निर्दिष्ट तरीके से दी जाएगी;

iii) ऐसे पुत्र या पुत्री को परिवार पेंशन अभिभावक के जरिए प्रदान की जाएगी मानो वह अवयस्क था/थी, सिवाय शारीरिक रूप से अपंग या विकलांग पुत्र या पुत्री को छोड़कर जो परिपक्वता आयु पर पहुंच चुके हों।

(iv) ऐसे किसी पुत्र या पुत्री को आजीवन परिवार पेंशन देने की अनुमति देने के पूर्व, सक्षम प्राधिकारी इस बात की तुष्टि करेगा कि विकलांगता इस प्रकार की है कि वह उसकी आजीविका के लिए आय प्राप्त करने में बाधा बनती है और इसे बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी से प्राप्त प्रमाणपत्र द्वारा प्रमाणित करना होगा जिसमें, यथासंभव, बच्चे की सही-सही मानसिक एवं शारीरिक स्थिति दी गई हो;

(v) ऐसे पुत्र या पुत्री के अभिभावक के रूप में परिवार पेंशन प्राप्त करने वाले व्यक्ति या अभिभावक के माध्यम से परिवार पेंशन प्राप्त न करने वाले पुत्र या पुत्री को बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी का प्रत्येक तीन वर्ष में इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा कि वह मानसिक विकार या अशक्तता से लगातार ग्रस्त है तथा शारीरिक रूप से अपंग या विकलांग है।

स्पष्टीकरण - इस विनियम में निर्दिष्ट आयु सीमा से अधिक आयु के विकलांग बच्चे को परिवार पेंशन निम्नलिखित शर्तों के अधीन प्रदान की जाएगी, अर्थात्-

(i) पुत्री इस उप-विनियम के अधीन परिवार पेंशन के लिए उस तारीख से अपात्र हो जाएगी जिस तारीख को वह विवाह करती है;

(ii) यदि ऐसा पुत्र या पुत्री अपनी आजीविका आरंभ कर देता/देती है तो ऐसे पुत्र या पुत्री को परिवार पेंशन बंद कर दी जाएगी। ऐसे मामलों में, अभिभावक या पुत्र या पुत्री का यह कर्तव्य होगा कि वह हर महीने बैंक को इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करे कि-

(अ) उसने अपनी आजीविका प्रारंभ नहीं की है;

(आ) पुत्री के मामले में यह कि अभी तक वह अविवाहित है;"

"(ग) माता-पिता के मामले में, यदि सरकारी/निजी क्षेत्र/स्व-नियोजन आदि में नियोजन से माता-पिता में से किसी एक की आय या माता-पिता दोनों की कुल आय रु. 2550/- प्रति माह से अधिक हो जाती है तो देय परिवार पेंशन बंद कर दी जाएगी/स्वीकार्य नहीं होगी।"

(ii) उप-विनियम (4) के लिए, निम्नलिखित उप-विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"(4) जहां पति और पत्नी दोनों बैंक कर्मचारी हैं तथा इस विनियम के प्रावधानों द्वारा शासित होते हैं, और उनमें से किसी एक की सेवाकाल के दौरान या सेवा-निवृत्ति के पश्चात् मृत्यु हो जाती है तो मृत कर्मचारी के मामले में परिवार पेंशन जीवित पति या पत्नी को दी जाएगी और पति या पत्नी की मृत्यु हो जाने पर, मृत अभिभावकों के मामले में जीवित बच्चे या बच्चों को दो परिवार पेंशन मंजूर की जाएगी जो निम्नलिखित तक सीमित रहेगी, अर्थात् -

(क) यदि जीवित बच्चा या बच्चे विनियम 39 के उप-विनियम (3) के खण्ड (क) के उप-खण्ड (i) तथा खण्ड (ख) के उप-खण्ड (i) में उल्लिखित दरों पर दो परिवार पेंशन पाने का पात्र है/हैं तो दोनों पेंशन की दर निम्नलिखित तक सीमित रहेगी -

- i) 1 नवम्बर, 1992 के पूर्व (कर्मचारों के मामले में) या 1 जुलाई, 1993 के पूर्व (अधिकारियों के मामले में) सेवा में रहते हुए जो कर्मचारी सेवानिवृत्त हो गए थे या जिनकी मृत्यु हो गयी थी, के मामले में रुपये दो हजार पांच सौ केवल प्रतिमाह;
- ii) 1 नवम्बर, 1992 को या उसके पश्चात् (कर्मचारों के मामले में) या 1 जुलाई, 1993 को या उसके पश्चात् (अधिकारियों के मामले में) सेवा में रहते हुए जो कर्मचारी सेवानिवृत्त हो गए थे या जिनकी मृत्यु हो गयी थी, के मामले में रुपये चार हजार आठ सौ केवल प्रतिमाह; और
- iii) केवल उन कर्मचारियों, अधिकारियों तथा कर्मचारों, दोनों के मामले में, जो 1 अप्रैल, 1998 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त हो गए थे या जिनकी मृत्यु हो गयी थी, रुपये छह हजार सात सौ छप्पन केवल प्रतिमाह।

(ख) यदि विनियम 39 के उप-विनियम (3) के खण्ड (क) के उप-खण्ड (i) या खण्ड (ख) के उप-खण्ड (i) में उल्लिखित दरों पर देय एक परिवार पेंशन बंद हो जाती है और उसके बदले विनियम 39 के उप-विनियम (1) में उल्लिखित दर पर परिवार पेंशन देय हो जाती है तो दोनों पेंशन की रकम भी निम्नलिखित तक सीमित रहेगी -

(i) जो कर्मचारी 1 नवम्बर, 1992 के पूर्व (कर्मचारों के मामले में) या 1 जुलाई, 1993 के पूर्व (अधिकारियों के मामले में) सेवा में रहते हुए सेवानिवृत्त हो गए थे या जिनकी मृत्यु हो गयी थी, के मामले में रुपये दो हजार पांच सौ केवल प्रतिमाह;

(ii) जो कर्मचारी 1 नवम्बर, 1992 को या उसके पश्चात् (कर्मचारों के मामले में) या 1 जुलाई, 1993 को या उसके पश्चात् (अधिकारियों के मामले में) सेवानिवृत्त हो गए थे या जिनकी मृत्यु हो गयी थी, के मामले में रुपये चार हजार आठ सौ केवल प्रतिमाह; और

(iii) केवल उन कर्मचारियों, अधिकारियों तथा कर्मचारों दोनों, के मामले में जो 1 अप्रैल 1998 को या उसके पूर्व सेवानिवृत्त हो गए थे या जिनकी मृत्यु हो गयी थी, रुपये छह हजार सात सौ छप्पन प्रतिमाह।

(ग) यदि दोनों परिवार पेंशन विनियम 39 के उप-विनियम (1) में उल्लिखित दर पर देय हैं तो दोनों परिवार पेंशन की राशि निम्नलिखित तक सीमित रहेगी -

(i) जो कर्मचारी 1 नवम्बर, 1992 के पूर्व (कर्मचारों के मामले में) या 1 जुलाई, 1993 के पूर्व (अधिकारियों के मामले में) सेवा के दौरान सेवानिवृत्त हो गए थे या जिनकी मृत्यु हो गयी थी, के मामले में रुपये एक हजार दो सौ पचास प्रतिमाह;

(ii) जो कर्मचारी 1 नवम्बर, 1992 को या उसके पश्चात् (कर्मचारों के मामले में) या पहली जुलाई, 1993 को या उसके पश्चात् (अधिकारियों के मामले में) सेवानिवृत्त हो गए थे या जिनकी मृत्यु हो गयी थी, के मामले में रुपये दो हजार चार सौ प्रतिमाह; और

(iii) जो कर्मचारी (अधिकारी तथा कर्मकार दोनों) 1 अप्रैल, 1998 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त हो गए थे या जिनकी मृत्यु हो गयी थी, के मामले में रुपये तीन हजार तीन सौ अठहत्तर प्रतिमाह।";

(iii) उप-विनियम (5) में, खण्ड (ग) के परंतुक के लिए, निम्नलिखित परंतुक

प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात् :-

"परंतु, बच्चे या बच्चों या विधवा या विधवाओं को देय परिवार पेंशन के अंश या अंशों का भुगतान बंद हो जाने पर ऐसा/ऐसे अंश समाप्त नहीं होगा/होंगे, बल्कि अन्य विधवा या विधवाओं को और/या अन्यथा पात्र अन्य बच्चा या बच्चे को समान अंशों में देय होगा या यदि केवल एक विधवा या बच्चा है तो ऐसी विधवा या बच्चे का पूरा अंश देय होगा।"

(iv) उप-विनियम (5) में, खण्ड (ग) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड जोड़ा जाएगा, अर्थात् :-

"(गक) जहां मृत कर्मचारी या पेंशनभोगी के पीछे एक विधवा बची हो किंतु वह तलाकशुदा पत्नी या पत्नियों से पात्र बच्चा या बच्चे छोड़ गया हो तो, ऐसा/ऐसे पात्र बच्चा या बच्चे परिवार पेंशन का वह अंश पाने का/के हकदार होगा/होंगे जो कर्मचारी या पेंशनभोगी की मृत्यु के समय उसकी/उनकी माता को मिलता, यदि उसका तलाक न हुआ होता।

परंतु, ऐसे बच्चे या बच्चों या विधवा या विधवाओं को देय परिवार पेंशन के अंश या अंशों के देय न रह जाने पर, ऐसा या ऐसे अंश व्यपगत नहीं होंगे अपितु अन्य विधवा या विधवाओं और/या अन्य बच्चे या बच्चों, जो अन्यथा पात्र हों, को समान अंशों में देय होगा/होंगे, या यदि एक ही विधवा या बच्चा हो तो ऐसी विधवा या बच्चे को पूर्ण रूप से देय होगा/होंगे।

(ड) विनियम 41 में,

(क) उप-विनियम 4 में, टिप्पणियों के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

टिप्पणी -

उपर्युक्त तालिका पेंशनभोगी के अगले जन्म दिन पर उसकी आयु के संदर्भ में क्रय वर्षों की संख्या के रूप में व्यक्त पेंशन का संराशीकृत दर्शाती है। अट्ठावन वर्ष की आयु पर सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी के मामले में संराशीकृत मूल्य 10.46 क्रय वर्ष है और, इसलिए, यदि वह सेवानिवृत्ति से एक वर्ष के भीतर अपनी पेंशन से सौ रुपये संराशीकृत करता है तो उसे एकमुश्त देय राशि होगी रु. $100 \times 10.46 \times 12$ रु. 12,552.

(ख) प्रतिस्थापित नोट के पश्चात्, निम्नलिखित उप-विनियम जोड़े जाएंगे, अर्थात् :-

(5) जिस कर्मचारी ने पेंशन के स्वीकार्य अंश को संराशीकृत किया था, वह संराशीकरण की तारीख से पन्द्रह वर्षों की अवधि की समाप्ति के पश्चात् फिर से चालू पेंशन के संराशीकृत अंश को पाने का पात्र होगा।

(6) जो आवेदक अधिवर्षिता पेंशन, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पेंशन, समयपूर्व सेवानिवृत्ति पेंशन, अनिवार्य सेवा-निवृत्ति पेंशन, अवैध पेंशन या अनुकंपा भत्ता हेतु अधिकृत है, वह इन विनियमों के अधीन अपनी पेंशन के अंश को संराशीकृत करने हेतु पात्र होगा।

(7) यदि पेंशनभोगी अधिवर्षिता पेंशन, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर पेंशन या समयपूर्व सेवानिवृत्ति पेंशन हेतु पात्र है तो सेवानिवृत्ति की तारीख से एक वर्ष के भीतर संराशीकरण हेतु आवेदन देने पर, चिकित्सा जांच अनिवार्य नहीं होगी। परंतु, यदि ऐसा पेंशनभोगी अपनी सेवानिवृत्ति की तारीख से एक वर्ष के पश्चात् पेंशन के संराशीकरण हेतु आवेदन करता है तो इसकी अनुमति चिकित्सा जांच के अधीन दी जाएगी :

परंतु, जिस आवेदक को विनियम 46 के अनुसार अनंतिम पेंशन प्राप्त हो रही है और जिसके लिए विभागीय या न्यायिक कार्यवाही पूर्ण होने पर पेंशन प्राधिकृत की गई है, इस उप-विनियम में उल्लिखित एक वर्ष की अवधि, विभागीय या न्यायिक कार्यवाही के पूर्ण हो जाने के परिणामस्वरूप आदेश जारी होने की तारीख गिनी जाएगी।

(8) ऐसा आवेदक -

(i) जो इन विनियमों के विनियम 30 के अंतर्गत अवैध पेंशन पर सेवानिवृत्त होता है; या

(ii) जिसे इन विनियमों के विनियम 31 के अंतर्गत अनुकंपा भत्ता प्राप्त हो रहा है; या

(iii) जिसे बैंक द्वारा अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त कर दिया गया है और वह विनियम 33 के अंतर्गत अनिवार्य सेवानिवृत्ति पेंशन के लिए पात्र है

वह बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी द्वारा स्वस्थ घोषित किए जाने के बाद उप-विनियम (1) में उल्लिखित सीमा के अधीन अपनी पेंशन के अंश को संराशीकृत करने का पात्र होगा।

(9) पेंशन का संराशीकरण तब निरपेक्ष हो जाएगा जब -

(क) अधिवर्षिता या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर सेवानिवृत्त होने वाला कर्मचारी, सेवानिवृत्ति की तारीख के बाद की अगली तारीख पर, सेवानिवृत्ति की तारीख के पूर्व पेंशन के संराशीकरण हेतु आवेदन करता है :

परंतु, विनियम 29 के उप-विनियम (3) द्वारा शासित कर्मचारी तीन महीने की नोटिस समाप्त होने के पूर्व अपनी पेंशन के अंश के संराशीकरण हेतु आवेदन नहीं करेगा और पेंशन का संराशीकरण विनियम 29 के उप-विनियम (1) में उल्लिखित नोटिस अवधि के समाप्त होने पर निरपेक्ष (पूर्ण) हो जाएगा ;

(ख) अधिवर्षिता पर या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर या समयपूर्व सेवानिवृत्ति पर सेवानिवृत्त होने वाला कर्मचारी, यदि सेवानिवृत्ति की तारीख के पश्चात् परंतु सेवानिवृत्ति की तारीख से एक वर्ष पूरा होने के पूर्व पेंशन के संराशीकरण हेतु आवेदन करता है तो संराशीकरण हेतु आवेदन सक्षम प्राधिकारी को जिस तारीख को प्राप्त होता है ;

(ग) अधिवर्षिता पर या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर या समयपूर्व सेवानिवृत्ति पर सेवानिवृत्त होने वाला कर्मचारी, यदि पेंशन के संराशीकरण हेतु सेवानिवृत्ति की तारीख से एक वर्ष के पश्चात् आवेदन करता है तो बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी द्वारा दिए गए चिकित्सा प्रमाणपत्र प्रदान करने की तारीख पर;

(घ) जो कर्मचारी 1 नवम्बर, 1993 के पूर्व सेवानिवृत्त हो गया था और इन विनियमों द्वारा शासित होने का विकल्प चुनता है, 1 नवम्बर, 1993 को, जहां आवेदन विनियम 3 के उप-विनियम (2) के खण्ड (ख) में उल्लिखित अवधि के भीतर किया गया है;

(ङ) जो कर्मचारी 1 नवम्बर, 1993 को या उसके पश्चात् बैंक की सेवा में था परंतु जो अपनी सेवा निवृत्ति की तारीख के अगले दिन को इन विनियमों के प्रकाशन के पूर्व सेवानिवृत्त हो गया था, जहां आवेदन विनियम 3 के उप-विनियम (2) के खण्ड (ख) में उल्लिखित अवधि के भीतर किया गया हो;

(च) जो कर्मचारी 1 नवम्बर, 1993 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त हो गया था परंतु अधिसूचित तारीख के पूर्व उसकी मृत्यु हो गयी थी, उसकी सेवानिवृत्ति की तारीख के अगले दिन पर, जहां मृतक कर्मचारी के परिवार द्वारा संराशीकरण का आवेदन विनियम 3 के उप-विनियम (5) के खण्ड (क) में उल्लिखित अवधि के भीतर किया गया है;

(छ) जिस कर्मचारी को विनियम 30 के अधीन अवैध पेंशन या विनियम 31 के अधीन अनुकंपा भत्ता या विनियम 33 के अधीन अनिवार्य सेवानिवृत्ति पेंशन स्वीकार्य है, संराशीकरण बैंक द्वारा अनुमोदन चिकित्सा अधिकारी द्वारा दिए गए चिकित्सा प्रमाणपत्र की तारीख को निरपेक्ष हो जाएगा।

(क) विनियम 48 के लिए, निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-**"48 . बैंक को हुई आर्थिक हानि की वसूली**

(1) यदि पेंशनभोगी अपनी सेवा अवधि के दौरान किसी विभागीय या न्यायिक कार्यवाही में घोर अवचार या उपेक्षा या आपराधिक न्यासभंग या जालसाजी या कपटपूर्ण कार्य का दोषी पाया जाता है तो सक्षम प्राधिकारी पेंशन या उसका अंश रोक सकता है या आहरित कर सकता है, चाहे स्थायी रूप से या निर्धारित अवधि के लिए, और बैंक को हुई किसी भी आर्थिक हानि के पूरे या अंश को पेंशन से वसूल करने का आदेश दे सकता है :

परंतु, कोई अंतिम आदेश जारी करने के पूर्व बोर्ड से परामर्श किया जाएगा :

परंतु, कर्मचारी की सेवानिवृत्ति के पश्चात्, विभागीय कार्यवाही, यदि कर्मचारी के सेवा में रहते हुए आरंभ की गई है, इन विनियमों के अधीन कार्यवाही समझी जाएगी तथा जिस प्राधिकारी द्वारा वह आरंभ की गई थी वह उसी प्रकार से जारी रखी जाएगी तथा समाप्त की जाएगी मानो कर्मचारी सेवा में है।

(2) यदि कर्मचारी के सेवा में रहते हुए विभागीय कार्यवाही आरंभ नहीं की गई थी, तो ऐसे संस्थापन के चार वर्ष के पूर्व हुई किसी भी घटना के मामले में कोई विभागीय कार्यवाही आरंभ नहीं की जाएगी :

परंतु, इस प्रकार आरंभ की गई अनुशासनिक कार्यवाही, कर्मचारी की सेवा अवधि के दौरान अनुशासनिक कार्यवाही के लिए लागू प्रक्रिया के अनुसार होगी।

(3) जहां सक्षम प्राधिकारी पेंशन से आर्थिक हानि की वसूली का आदेश देता है वहां वसूली सामान्यतया कर्मचारी की सेवानिवृत्ति की तारीख को स्वीकार्य पेंशन के एक तिहाई से अधिक की दर पर नहीं की जाएगी।

परंतु, जहां पेंशन का अंश रोका गया है या आहरित किया गया है, वहां पेंशनभोगी द्वारा आहरित पेंशन राशि इन विनियमों के अधीन देय न्यूनतम पेंशन से कम नहीं होगी।"

(ण) परिशिष्ट-I के लिए, निम्नलिखित परिशिष्ट प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

परिशिष्ट-I

(विनियम 35 देखें)

1. 01.01.1986 से 31.10.1987 की अवधि के दौरान सेवानिवृत्त कर्मचारियों के मामले में, मूल पेंशन तथा अतिरिक्त पेंशन को अद्यतन बनाने का फॉर्मूला निम्नलिखित अनुसार होगा :-

- (1) अ. (क) पेंशन के लिए गणनायोग्य औसत परिलब्धियों के पहले रु. 1000/- का 50 प्रतिशत रु. _____
- (ख) अगले रु. 500/- का 45 प्रतिशत रु. _____
- (ग) रु. 1500/- से अधिक पेंशन के लिए गणनायोग्य औसत परिलब्धियों का 40 प्रतिशत रु. _____
- (क + ख + ग) का योग रु. _____ (अ)
- आ. सेवानिवृत्त के पूर्व सेवा के अंतिम 10 महीने की औसत मासिक परिलब्धियों का 50 प्रतिशत रु. _____ (आ)
- इ. नीचे दी गई तालिका के अनुसार, उपर्युक्त (अ) पर परिकलित मूल पेंशन पर, श्रृंखला 1960=100 में औद्योगिक कामगारों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में सूचकांक 600 पर महंगाई राहत रु. _____ (इ)
- ई. कुल मूल पेंशन = (आ) + (इ) X अर्हता सेवा के वर्षों की संख्या (अधिकतम 33 वर्ष) रु. _____ (ई)

33

3. 1.11.1993 को मूल पेंशन रु. _____ (3)
(अगले उच्चतर रुपये में पूर्णांकित)
- (2) सेवानिवृत्ति के समय आहरित विशेष भत्ते के अनुरूप, दिनांक 10 अप्रैल, 1989 के द्विपक्षीय समझौते या अधिकारी सेवा विनियम, यथास्थिति, के अनुसार भविष्य निधि में अंशदान करने हेतु गिनी जानी वाली रकम की सीमा तक विशेष भत्ते अतिरिक्त पेंशन के प्रयोजन हेतु गिने जाएंगे।

तालिका

01.01.1986 से 31.10.1987 की अवधि के दौरान सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सभी श्रेणियों के लिए श्रृंखला 1960=100 में औद्योगिक कामगारों के लिए अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में सूचकांक 600 पर तैयार की गई महंगाई राहत की दरें:

(क)	अधीनस्थ वर्ग के कर्मचारी	उपर्युक्त अ पर परिकलित पेंशन का 80.40 प्रतिशत
(ख)	रु.756/- प्रतिमाह पेंशन आहरित करने वाले लिपिकीय वर्ग के कर्मचारी	उपर्युक्त अ पर परिकलित पेंशन का 67 प्रतिशत
(ग)	रु.757/- और उससे अधिक प्रतिमाह पेंशन आहरित करने वाले लिपिकीय वर्ग के कर्मचारी महंगाई राहत के लिए निम्नलिखित अनुसार पात्र होंगे :-	

प्रतिमाह आहरित मूल पेंशन की राशि. रु.	स्वीकार्य महंगाई राहत राशि. रु.
757 - 796	508.00
797 - 804	534.00
805 - 824	540.00
825 - 844	553.00
845 - 864	567.00
865 - 884	580.00
885 - 904	593.00
905 - 924	607.00
925 - 944	620.00
945 - 964	634.00
965 - 984	647.00
985 - 1004	660.00
1005 - 1024	674.00
1025 - 1044	687.00
1045 - 1064	701.00
1065 - 1084	714.00
1085 और अधिक	727.00

(घ)

अधिकारी वर्ग के कर्मचारी महंगाई राहत के लिए निम्नानुसार पात्र होंगे :

- | | |
|---|--|
| (i) रु. 765/- प्रतिमाह मूल पेंशन आहरित करने वाले | उपर्युक्त अ पर परिकलित पेंशन राशि का 66 प्रतिशत अधिकतम रु. 500/- |
| (ii) रु. 766/- से रु. 1165/- प्रतिमाह मूल पेंशन आहरित करने वाले | रु. 500/- |
| (iii) रु. 1166/- और उससे अधिक प्रतिमाह पेंशन आहरित करने वाले | उपर्युक्त अ पर परिकलित पेंशन राशि का 42.90 प्रतिशत, अधिकतम रु. 715/- |

2. 1 नवम्बर, 1992 को या उसके पश्चात्, परंतु 1 सितम्बर, 1993 के पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारी तथा 1 जुलाई, 1993 को या उसके पश्चात् परंतु 1 मई, 1994 के पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारी के मामले में, मूल पेंशन को अद्यतन बनाने का फॉर्मूला निम्नलिखित अनुसार होगा :

- | | |
|--|-----------|
| (1) अर्हता सेवा के अंतिम 10 महीनों के दौरान महीने/महीनों के लिए पुराने वेतनमान के अनुसार आहरित वेतन का योग | रु. _____ |
| (2) उपर्युक्त (1) पर परिकलित वेतन के प्रत्येक महीने के लिए, वास्तविक रूप से आहरित महंगाई भत्ते या 1148 अंकों पर महंगाई भत्ते, जो भी कम हो, का योग | रु. _____ |
| (3) उपर्युक्त (1) के अनुसार आहरित वेतन का योग तथा (+) उपर्युक्त (2) के अनुसार आहरित महंगाई भत्ते का योग | रु. _____ |
| (4) जिस महीने में कर्मचारी सेवानिवृत्त हुआ उस महीने को शामिल करते हुए, अर्हता सेवा के अंतिम 10 महीनों के महीने/महीनों के लिए संशोधित वेतनमान के अनुसार आहरित वेतन का योग | रु. _____ |
| (5) कॉलम (3) व (4) का योग | रु. _____ |
| (6) पेंशन के प्रयोजन हेतु औसत परिलब्धियां अर्थात् उपर्युक्त (5) के अनुसार योग | रु. _____ |

(7) अद्यतन मूल पेंशन

रु. _____

अपर्युक्त (6) का 50 प्रतिशत

x अर्हता सेवा के वर्षों की संख्या

[अधिकतम 33 वर्ष]

33

(8) मूल पेंशन (अगले उच्चतर रुपये में पूर्णांकित)

रु.

3. सेवानिवृत्ति के समय वास्तविक रूप से आहरित विशेष भत्तों के अनुरूप, अतिरिक्त पेंशन के संराशीकरण के प्रयोजन से 1 नवम्बर, 1992 को या उसके पश्चात्, परंतु 1 नवम्बर, 1994 के पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारों तथा 1 जुलाई, 1993 को या उसके पश्चात्, परंतु 1 नवम्बर, 1994 के पूर्व सेवानिवृत्त अधिकारियों के मामले में, दिनांक 14 फरवरी, 1995 के द्विपक्षीय समझौते या अधिकारी सेवा विनियम, यथास्थिति, के अनुसार विशेष भत्तों की राशि की गणना 1 नवम्बर, 1994 से की जाएगी।

परंतु, 1 नवम्बर, 1992 या सेवानिवृत्ति की तारीख से, जो भी बाद में हो, 31 अक्टूबर, 1994 तक की अवधि के लिए, संशोधन-पूर्व दरों पर भविष्य निधि की गणना हेतु राशि अतिरिक्त पेंशन के संराशीकरण के प्रयोजन हेतु गिनी जाएगी।

4. सेवानिवृत्ति के समय वास्तविक रूप से आहरित संशोधन-पूर्व विशेष भत्ते के अनुरूप 1 नवम्बर, 1994 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त तथा सेवानिवृत्ति के पूर्व सेवा के अंतिम 10 महीनों के दौरान संशोधन-पूर्व तथा संशोधित दरों दोनों पर विशेष भत्ता आहरित कर चुके कर्मचारियों के मामले में, 14 फरवरी, 1995 के द्विपक्षीय समझौते या अधिकारी सेवा विनियम, यथास्थिति, के अनुसार विशेष भत्ते की राशि अतिरिक्त पेंशन के संराशीकरण के प्रयोजन हेतु गिनी जाएगी।

टिप्पणी :

1 नवम्बर, 1994 को या उसके पूर्व आहरित संशोधित विशेष भत्ते की राशि मूल पेंशन के संराशीकरण हेतु गिनी जाएगी।

5. जो अधीनस्थ कर्मचारी 1 नवम्बर, 1992 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त हुए थे तथा संशोधन-पूर्व विशेष भत्ता आहरित किया था और वे कर्मचारी भी जो 1 नवम्बर, 1994 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त हो चुके हैं तथा सेवानिवृत्ति के पूर्व सेवा के अंतिम दस महीनों के दौरान संशोधन-पूर्व तथा संशोधित दोनों विशेष भत्ते आहरित कर चुके हैं, के मामले में संशोधन-पूर्व दरों पर वास्तविक रूप से आहरित विशेष भत्ते की राशि मूल पेंशन के संराशीकरण के प्रयोजन हेतु गिनी जाएगी और श्रृंखला 1960 = 100 में औद्योगिक कामगारों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांकों के तिमाही औसत में 600 के ऊपर प्रत्येक 4 अंकों की वृद्धि या गिरावट के लिए महंगाई राहत आहरित करेंगे।

(ल) परिशिष्ट-II के लिए, निम्नलिखित परिशिष्ट प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

परिशिष्ट-II
(दिनियम 37 देखें)

मूल पेंशन पर महंगाई राहत निम्नलिखित अनुसार होगा :-

- (1) अधीनस्थ श्रेणी के जो कर्मचारी 1 जनवरी, 1986 को या उसके पश्चात्, परंतु 1 नवम्बर, 1992 के पूर्व सेवानिवृत्त हुए थे तथा अधिकारी श्रेणी के जो कर्मचारी 1 जनवरी, 1986 को या उसके पश्चात् परंतु 1 जुलाई, 1993 के पूर्व सेवानिवृत्त हुए थे, के मामले में, महंगाई भत्ता श्रृंखला 1960 = 100 में औद्योगिक कामगारों के लिए अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के तिमाही औसत में 600 अंकों के ऊपर, यथास्थिति, प्रत्येक 4 अंकों की वृद्धि पर देय होगा तथा प्रत्येक गिरावट पर वसूली योग्य होगा। उपर्युक्त प्रत्येक चार अंकों की प्रत्येक महंगाई राहत में ऐसी वृद्धि या गिरावट नीचे दिए गए अनुसार परिकलित की जाएगी :-

मूल पेंशन का वेतन प्रतिमाह	मूल पेंशन के प्रतिशत के रूप में महंगाई राहत की दर
(1)	(2)
(i) रु.1250/- तक	0.67 प्रतिशत।
(ii) रु.1251/- से रु.2000/-	रु.1250/- का 0.67 प्रतिशत तथा (+) रु.1250/- से अधिक मूल पेंशन का 0.55 प्रतिशत।
(iii) रु.2001/- से रु.2130/-	रु.1250/- का 0.67 प्रतिशत तथा (+) रु.2000/- और रु.1250/- के बीच के अंतर का 0.55 प्रतिशत तथा रु.2000/- से अधिक मूल पेंशन का 0.33 प्रतिशत।
(iv) रु.2130/- से अधिक	रु.1250/- का 0.67 प्रतिशत तथा (+) रु.2000/- और रु.1250/- के बीच के अंतर का 0.55 प्रतिशत तथा (+) रु.2130/- और रु.2000/- के बीच के अंतर का 0.33 प्रतिशत तथा (+) रु.2130/- से अधिक मूल पेंशन का 0.17 प्रतिशत।

- (3) जो कर्मचारी 1 अप्रैल, 1998 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त हुए हैं उन्हें महंगाई राहत, श्रृंखला 1960=100 में औद्योगिक कामगारों के लिए अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के तिमाही औसत में 1616 से अधिक प्रत्येक 4 अंकों की, यथास्थिति, प्रत्येक वृद्धि के लिए देय होगी तथा प्रत्येक गिरावट के लिए वसूली योग्य होगी। उपर्युक्त प्रत्येक चार अंकों के लिए महंगाई राहत में ऐसी वृद्धि या गिरावट नीचे दिए गए प्रकार से परिकलित की जाएगी :-

मूल पेंशन का
वेतन प्रतिमाह

मूल पेंशन के प्रतिशत के रूप में
महंगाई राहत की दर

(1)	(2)
(i) रु.3380/- तक	0.25 प्रतिशत।
(ii) रु.3381/- से रु.5420/-	रु.3380/- का 0.25 प्रतिशत तथा (+) रु.3380/- से अधिक मूल पेंशन का 0.21 प्रतिशत।
(iii) रु.5421/- से रु.5770/-	रु.3380/- का 0.25 प्रतिशत तथा (+) रु.5420/- और रु.3380/- के बीच के अंतर का 0.21 प्रतिशत तथा (+) रु.5420/- से अधिक मूल पेंशन का 0.12 प्रतिशत।
(iv) रु.5770/- से अधिक	रु.3380/- का 0.25 प्रतिशत तथा (+) रु.5420/- और रु.3380/- के बीच के अंतर का 0.21 प्रतिशत तथा (+) रु.5770/- और रु.5420/- के अंतर का 0.12 प्रतिशत तथा (+) रु.5770/- से अधिक मूल पेंशन का 0.06 प्रतिशत।

- (4) महंगाई भत्ता पिछले वर्ष के अक्टूबर, नवम्बर और दिसम्बर के महीनों में प्रकाशित सूचकांकों के तिमाही औसत पर पहली फरवरी से आरंभ और 31 जुलाई को समाप्त होने वाली छमाही के लिए और उसी वर्ष अप्रैल, मई और जून के महीनों में प्रकाशित सूचकांकों के तिमाही औसत पर 1 अगस्त से आरंभ और 31 जनवरी को समाप्त होने वाली छमाही के लिए देय होगा।
- (5) परिवार पेंशन, अवैध पेंशन और अनुकम्पा भत्ते के मामले में, महंगाई राहत ऊपर उल्लिखित दरों के अनुसार देय होगी।
- (6) पूर्ण मूल पेंशन पर महंगाई राहत की अनुमति सराशीकरण के बाद भी दी जाएगी।
- (7) महंगाई राहत अतिरिक्त पेंशन पर देय नहीं है।
- (8) जिस पेंशनभोगी की मूल पेंशन न्यूनतम पेंशन से कम है परंतु मूल पेंशन तथा अतिरिक्त पेंशन का योग न्यूनतम पेंशन से अधिक है वह न्यूनतम पेंशन को लागू महंगाई राहत आहरित कर सकेगा।

(थ) परिशिष्ट-III के लिए, निम्नलिखित परिशिष्ट प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

परिशिष्ट-III
(विनियम 39 देखें)

परिवार पेंशन की साधारण दरें इस प्रकार होंगी :-

- (क) अंशकालिक कर्मचारियों को छोड़कर, अन्य कर्मचारियों के मामले में, जहां कर्मचारी कर्मकार श्रेणी में था और 1.11.1992 के पूर्व सेवानिवृत्त हुआ था, या जहां कर्मचारी अधिकारी वर्ग में था और 01.07.1993 के पूर्व सेवानिवृत्त हुआ था।

वेतनमान प्रतिमाह	मासिक परिवार पेंशन की राशि
रु.1500/- तक	'वेतन' का 30 प्रतिशत मूल परिवार पेंशन तथा (+) भत्तों का 30 प्रतिशत, जिनकी गणना भविष्य निधि में अंशदान के लिए की जाती है परंतु महंगाई भत्ते के लिए नहीं, अतिरिक्त परिवार पेंशन होगी। मूल तथा अतिरिक्त परिवार पेंशन का योग रु.375/- प्रतिमाह से कम नहीं होगा।
रु.1501/- से रु.3000/-	'वेतन' का 20 प्रतिशत मूल परिवार पेंशन तथा (+) भत्तों का 20 प्रतिशत, जिनकी गणना भविष्य निधि में अंशदान के लिए की जाती है, परंतु महंगाई भत्ते के लिए नहीं, अतिरिक्त परिवार पेंशन होगी। मूल तथा अतिरिक्त परिवार पेंशन का योग रु.450/- प्रतिमाह से कम नहीं होगा।
रु.3000/- से आधिक	'वेतन' का 15 प्रतिशत मूल परिवार पेंशन तथा (+) भत्तों का 15 प्रतिशत, जिनकी गणना भविष्य निधि में अंशदान के लिए की जाती है, परंतु महंगाई भत्ते के लिए नहीं, अतिरिक्त परिवार पेंशन होगी। मूल तथा अतिरिक्त परिवार पेंशन का योग रु.600/- प्रतिमाह से कम तथा रु.1250/- प्रतिमाह से अधिक नहीं होगा।

- (ख) कर्मचारियों के मामले में, अंशकालिक कर्मचारियों को छोड़कर, जहां कर्मचारी कर्मकार श्रेणी में था और 1.11.1992 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त हुआ था या जहां कर्मचारी अधिकारी श्रेणी में था और 1.7.1993 के पूर्व सेवानिवृत्त हुआ था।

वेतनमान प्रतिमाह

मासिक परिवार पेंशन की राशि

रु.2870/- तक

'वेतन' का 30 प्रतिशत मूल परिवार पेंशन तथा (+) भत्तों का 30 प्रतिशत, जिनकी गणना भविष्य निधि में अंशदान के लिए की जाती है परंतु महंगाई भत्ते के लिए नहीं, अतिरिक्त परिवार पेंशन होगी। मूल तथा अतिरिक्त परिवार पेंशन का योग रु.720/- प्रतिमाह से कम नहीं होगा।

रु.2871/- से

रु.5740/-

'वेतन' का 20 प्रतिशत मूल परिवार पेंशन तथा (+) भत्तों का 20 प्रतिशत, जिनकी गणना भविष्य निधि में अंशदान के लिए की जाती है, परंतु महंगाई भत्ते के लिए नहीं, अतिरिक्त परिवार पेंशन होगी। मूल तथा अतिरिक्त परिवार पेंशन का योग रु.860/- प्रतिमाह से कम नहीं होगा।

रु.5740/- से
अधिक

'वेतन' का 15 प्रतिशत मूल परिवार पेंशन तथा (+) भत्तों का 15 प्रतिशत, जिनकी गणना भविष्य निधि में अंशदान के लिए की जाती है, परंतु महंगाई भत्ते के लिए नहीं, अतिरिक्त परिवार पेंशन होगी। मूल तथा अतिरिक्त परिवार पेंशन का योग रु.1150/- प्रतिमाह से कम तथा रु.2400/- प्रतिमाह से अधिक नहीं होगा।

- (ग) 1.4.1998 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त होने वाले अंशकालिक कर्मचारियों को छोड़कर, कर्मचारियों (अधिकारी तथा कर्मकार दोनों) के मामले में :-

वेतनमान प्रतिमाह

मासिक परिवार पेंशन की राशि

रु.4040/- तक

'वेतन' का 30 प्रतिशत मूल परिवार पेंशन तथा (+) भत्तों का 30 प्रतिशत, जिनकी गणना भविष्य निधि में अंशदान के लिए की जाती है परंतु महंगाई भत्ते के लिए नहीं, अतिरिक्त परिवार पेंशन होगी। मूल तथा अतिरिक्त परिवार पेंशन का योग रु.1015/- प्रतिमाह से कम नहीं होगा।

रु.4040/- से
रु.8080/-

'वेतन' का 20 प्रतिशत मूल परिवार पेंशन तथा (+) भत्तों का 20 प्रतिशत, जिनकी गणना भविष्य निधि में अंशदान के लिए की जाती है, परंतु महंगाई भत्ते के लिए नहीं, अतिरिक्त परिवार पेंशन होगी। मूल तथा अतिरिक्त परिवार पेंशन का योग रु.1212/- प्रतिमाह से कम नहीं होगा।

रु.8080/- से
अधिक

'वेतन' का 15 प्रतिशत मूल परिवार पेंशन तथा (+) भत्तों का 15 प्रतिशत, जिनकी गणना भविष्य निधि में अंशदान के लिए की जाती है, परंतु महंगाई भत्ते के लिए नहीं, अतिरिक्त परिवार पेंशन होगी। मूल तथा अतिरिक्त परिवार पेंशन का योग रु.1616/- प्रतिमाह से कम तथा रु.3378/- प्रतिमाह से अधिक नहीं होगा।

टिप्पणी :

1. महंगाई भत्ता अतिरिक्त परिवार पेंशन पर देय नहीं होगा।
2. उपर्युक्त अनुसार परिवार पेंशन की गणना के प्रयोजन से वेतनमान, विनियम 2 के उप-खंड (न) में निर्धारित 'वेतन' तथा विनियम 35 के उप-विनियम (3) की व्याख्या में निर्धारित भत्तों का योग होगा।
3. अंशकालिक कर्मचारी के मामले में, परिवार पेंशन की न्यूनतम तथा अधिकतम राशि, कर्मचारी द्वारा आहरित वेतन की दर के अनुपात में होगी।
4. यदि मूल परिवार पेंशन तथा अतिरिक्त पेंशन का कुल योग न्यूनतम पेंशन से कम होता है तो पेंशनभोगी की न्यूनतम पेंशन दी जाए और ऐसी न्यूनतम परिवार पेंशन पर महंगाई राहत का भुगतान किया जाए। लेकिन, न्यूनतम परिवार पेंशन के अतिरिक्त परिवार पेंशन नहीं दी जाएगी।

(द) परिशिष्ट-IV के लिए, निम्नलिखित परिशिष्ट प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

परिशिष्ट-IV
(विनियम 27 देखें)

एक सप्ताह में स्थायी
अंशकालिक आधार पर वेतन
पर दी गई वास्तविक सेवा

पेंशन राशि की गणना हेतु स्थायी
अंशकालिक आधार पर सेवा के
प्रत्येक वर्ष के लिए दी गई
तदनुसूची अर्हता सेवा की अवधि

छह घंटे या अधिक
परंतु 13 घंटे तक;

वर्ष का एक तिहाई

13 घंटे से अधिक
19 घंटे तक;

वर्ष का आधा

19 घंटे से अधिक
परंतु 29 घंटे तक;

वर्ष का एक चौथाई

29 घंटे से अधिक;

एक वर्ष

(घ) परिशिष्ट-IV के पश्चात्, निम्नलिखित परिशिष्ट जोड़ा जाएगा, अर्थात् :-

परिशिष्ट-V
(विनियम 39 देखें)

जो कर्मचारी 1 जनवरी, 1986 को या उसके पश्चात् बैंक की सेवा में थे और सेवा में रहते हुए 31 अक्तूबर, 1987 को या उसके पूर्व उनकी मृत्यु हो गयी थी या 31 अक्तूबर, 1987 को या उसके पूर्व सेवानिवृत्त हो गए थे, के मामले में मूल परिवार पेंशन या अतिरिक्त परिवार पेंशन के परिकलन के लिए फॉर्मूला निम्नलिखित अनुसार होगा :-

(1) मूल परिवार पेंशन

- | | | |
|-----|---|-----|
| (अ) | मृत्यु/सेवानिवृत्ति के समय मृतक कर्मचारी द्वारा आहरित वेतन | रु. |
| (आ) | नीचे दी गई तालिका के अनुसार साधारण दर पर मूल परिवार पेंशन | रु. |
| (इ) | उपर्युक्त (आ) पर परिकलित मूल परिवार पेंशन संबंधी परिशिष्ट-I में दी गई तालिका I के अनुसार श्रृंखला 1960 = 100 में औद्योगिक कामगारों के लिए अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में सूचकांक 600 पर महंगाई राहत | रु. |
| (ई) | अद्यतन मूल परिवार पेंशन अर्थात् (आ)+(इ) | रु. |
| (उ) | उपर्युक्त (ई) के अनुसार अद्यतन मूल परिवार पेंशन (अगले उच्चतर रुपये में पूर्णांकित) | रु. |
| (ऊ) | उपर्युक्त (ई) के (अगले उच्चतर रुपये में पूर्णांकित हैं), यथास्थिति, मूल परिवार पेंशन का डेढ़ गुना या अद्यतन मूल परिवार पेंशन का दुगुना | रु. |

(2) अतिरिक्त परिवार पेंशन

सेवानिवृत्ति/मृत्यु के पूर्व आहरित विशेष भत्ते के अनुरूप दिनांक 10.4.1989 के द्विपक्षीय समझौते/अधिकारी सेवा विनियमों के अनुसार भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए राशि की गणना की सीमा तक विशेष भत्ते को अतिरिक्त परिवार पेंशन के प्रयोजन हेतु खिन्न जाएगा।

नोट :-

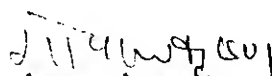
- (1) महंगाई राहत अतिरिक्त परिवार पेंशन पर देय नहीं है।
- (2) यदि अद्यतन मूल परिवार पेंशन और अद्यतन अतिरिक्त परिवार पेंशन का कुल योग रु.375/- से कम होता है तो पेंशनभोगी को रु.375/- तथा उस पर महंगाई भत्ता दिया जा सकता है लेकिन ऐसी स्थिति में अद्यतन अतिरिक्त परिवार पेंशन देय नहीं होगी।

तालिका

वेतन-सीमा	परिवार पेंशन की राशि
रु.664/- से कम	'वेतन' का 30 प्रतिशत मूल परिवार पेंशन तथा भत्तों का 30 प्रतिशत (+) जिनकी गणना भविष्य में अंशदान के लिए की जाती है, परंतु महंगाई भत्ते के लिए नहीं, अतिरिक्त परिवार पेंशन होगी जो न्यूनतम रु.100/- प्रतिमाह तथा अधिकतम रु.166/- प्रतिमाह होगी।
रु.664 और अधिक परंतु रु.1992 से कम	'वेतन' का 15 प्रतिशत मूल परिवार पेंशन तथा (+) भत्तों का 15 प्रतिशत, जिनकी गणना भविष्य निधि में अंशदान के लिए की जाती है, परंतु महंगाई भत्ते के लिए नहीं, अतिरिक्त परिवार पेंशन होगी जो न्यूनतम रु.166/- प्रतिमाह तथा अधिकतम रु.266/- प्रतिमाह होगी।
रु.1992 और उससे अधिक	'वेतन' का 12 प्रतिशत मूल परिवार पेंशन तथा (+) भत्तों का 12 प्रतिशत, जिनकी गणना भविष्य निधि में अंशदान के लिए की जाती है परंतु महंगाई भत्ते के लिए नहीं, अतिरिक्त परिवार पेंशन होगा जो न्यूनतम रु.266/- प्रतिमाह तथा अधिकतम रु.415/- प्रतिमाह होगा।

पाद टिप्पणी : मूल विनियम भारत के राजपत्र [असाधारण] में 29.09.1995 को अधिसूचित किए गए थे तथा उपर्युक्त यूनियन बैंक ऑफ इंडिया [कर्मचारी] पेंशन विनियमन, 1995 में बाद के संशोधन [नों] को निम्नलिखित विवरण के अनुसार गजट में प्रकाशित करवाया गया था।

क्रमांक	अधिसूचना	दिनांक
01	--	02.01.1999 गजट क्र.9 दिनांक 27.02.1999
02	03	22.05.2002 गजट क्र.28 दिनांक 13.07.2002


[के.एल.गोपालकृष्ण]
महाप्रबंधक [का]

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन
श्रम मंत्रालय, भारत सरकार
मुख्यालय
भविष्य निधि भवन, 14, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली-66

(भारत के राजपत्र के खण्ड III, भाग 4 में प्रकाशनार्थ)

अधिसूचना

सं. ई-III/16(22)99/डब्ल्यू.बी.

जैसाकि मैसर्स टीटागढ़ जूट मिल्स नं०-2, पो.ओ. टीटागढ़, नार्थ 24 परगना, कोड़ सं० डब्ल्यूबी/338 को क.भ.नि एवं प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 की धारा 17(1) (क) के अंतर्गत अधिसूचना संख्या ई-102(19)ई/ए/57 दिनांक 17.10.1957 द्वारा छूट प्रदान की गई थी।

और चूंकि स्थापना छूट की सभी शर्तों जैसे - न्यासी बोर्ड को समय पर अंशदान का भुगतान, नियमों के अनुसार भविष्य निधि राशि का निवेश, समय पर मासिक रिटर्न जमा करना, अभिदाताओं को भविष्य निधि की वार्षिक लेखा विवरणी जारी करना आदि का अनुपालन करने में सक्षम नहीं रहा है।

अतः अब कभनि एवं प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 की धारा 17 की उपधारा (4) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, अजय सिंह, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, एतद्वारा मैसर्स टीटागढ़ जूट मिल्स नं०-2 को दी गई छूट निरस्त करता हूँ तथा यह 30.09.2002 से लागू होगी।

30.09.2002

(अजय सिंह)

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

RESERVE BANK OF INDIA
(DEPARTMENT OF EXPENDITURE AND BUDGETARY CONTROL)
MUMBAI-400001, the 26th December, 2002.

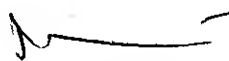
Ref.: DEBC No-1. In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with clause (j) of sub-section (2) of section 58 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Central Board of the Reserve Bank of India with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following amendments to the Reserve Bank of India Employees' Gratuity and Superannuation Fund Regulations, 1975 namely:-

Short title and commencement

1. (i) These regulations may be called the Reserve Bank of India Employees' Gratuity and Superannuation Fund (Amendment) Regulations, 2002.
(ii) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
2. In the Reserve Bank of India Employees' Gratuity and Superannuation Fund Regulations, 1975 –
 - (i) Clause (c) of Regulation 3 shall be substituted by the following words:

“the amount, as determined, on the basis of actuarial valuation of the Bank's liability towards gratuity and pension payments done at such periodicity, as decided by the Bank.”
 - (ii) Regulation 5 shall be substituted by the following words:

“The Bank shall credit to the Fund at the end of every year an amount calculated on the products of monthly balances in the fund at the end of that year, at the rate at which interest was last credited to the Reserve Bank of India Employees Provident Fund.”


P. B. Mathur
Executive Director

UNION BANK OF INDIA

CENTRAL OFFICE

MUMBAI, the 31st December 2002

No. Pension 4. In exercise of the powers conferred by Section 19, read with Sub-Section (2) of Section 12 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970), the Board of Directors of the Union Bank of India in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following regulations further to amend Union Bank of India (Employees') Pension Regulations, 1995, namely :-

1. (1) These regulations may be called the Union Bank of India (Employees') Pension (Amendment) Regulations, 2002.
- (2) Save as otherwise expressly provided in these regulations, they shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Union Bank of India (Employees') Pension Regulations, 1995, -

- (a) in Regulation 2,
(i) for sub-regulation (n), the following sub-regulation shall be substituted, namely :-

"(n) 'employee' means any person employed in the services of the Bank, whether as a workman on full time work on permanent basis or on part-time work on permanent basis on scale wages or as an officer and who opts and is governed by these regulations, but does not include a person employed either on contract basis or daily wage basis or on consolidated wages;"

- (ii) in sub-regulation (o), for clause (c), the following clauses shall be substituted, namely :-

"(c) son or unmarried daughter or widowed/divorced daughter, who has not attained the age of twenty-five years, including such son or daughter adopted legally."

"(d) parents who were wholly dependant on the employee when he/she was alive, provided the deceased employee had left behind neither a widow/widower nor a child."

- (iii) for sub-regulation(s), the following sub-regulation shall be substituted namely :-

"(s) "Pay" includes,-

"(a) in relation to a workman who had either retired or died on or after the 1st day of January, 1986 but before the 1st day of November, 1992; and in relation to an officer who had either retired or died on or after the 1st day of January, 1986 but before the 1st day of July, 1993, -

- i) the basic pay including stagnation increments, if any, and
- ii) all allowances counted for the purposes of making contribution to the Provident Fund and for the payment of dearness allowance;

(b) in relation to a workman who retired or died while in service on or after the 1st day of November, 1992; and, in relation to an officer who retired or died while in service on or after the 1st day of July, 1993,—

- i) the basic pay including stagnation increments, if any; and
- ii) all allowances counted for the purpose of making contribution to the Provident Fund and for the payment of dearness allowance; and
- iii) increment component of Fixed Personal Allowance;

(c) in relation to an employee who retired or died while in service on or after the 1st day of April, 1998—

- (i) the basic pay including stagnation increments, if any; and
- (ii) all other components of pay counted for the purpose of making contributions to the Provident Fund and for the payment of dearness allowance; and
- (iii) increment component of Fixed Personal Allowance; and
- (iv) dearness allowance thereon on the above calculated upto Index number 1616' points in the All India Average Consumer Price Index for Industrial Workers in the series 1960=100.

Explanation:

For the purpose of this clause basic pay, other components of pay and Fixed Personal Allowance would mean the basic pay, other components of pay and Fixed Personal Allowance drawn by the employee in terms of the scales of pay as applicable and the rates at which the other components of pay were payable prior to 01.11.1997 (in the case of workmen) and prior to 01.04.1998 (in the case of officers);

(b) in Regulation 3,

- (i) in sub-regulation (1), in clause (c), after the words '...aforesaid amount to the Bank' the words 'or till the 1st day of April, 1995 whichever is earlier' shall be added;
- (ii) in sub-regulation (7), in clause (b), after the words '...aforesaid amount to the bank' the words 'or till the 1st day of April, 1995, whichever is earlier shall be added;
- (iii) after sub-regulation (9), the following sub-regulation shall be inserted, namely :-

"(10) Notwithstanding anything contained in sub-regulations (2), (5), (6) and (8), in cases where an employee had retired/died after retirement on or after the 1st day of November, 1993 but on or before the 1st day of April, 1995 or where an employee had died while in service of the Bank on or after the 1st day of November, 1993 but on or before the 1st day of April, 1995 such an employee or the family of the deceased employee, as the case may be, shall refund within the period specified in aforesaid sub-regulations the entire amount of the Bank's

contribution to the Provident Fund including interest accrued thereon with a further simple interest at the rate of six per cent per annum on the said amount from the date of settlement of the Provident Fund account till the date of refund of the aforesaid amount to the Bank or till the 1st day of April, 1995, whichever is earlier.";

- (c) for Regulation 12, the following regulation shall be substituted, namely :-

"12. Investment of the Fund - All moneys contributed to the Fund or received or accruing after that date by way of interest or otherwise to the Fund, may be deposited in a Post Office Savings Bank Account in India or in a current account or in a savings account with any scheduled bank or utilised in making payment of pensionary benefits in accordance with Pension Regulations and to the extent such moneys as are not so deposited or utilised shall be invested in the manner specified in sub-rule (2) of rule 67 of Income Tax rules, 1962.";

- (d) in regulation 18, the following proviso shall be inserted, namely :-

" Provided that provisions of this regulation shall not apply for determining the minimum service required to make an employee eligible for pension.";

- (e) in Regulation 27, for sub-regulation (2), the following sub-regulations shall be substituted, namely :-

"(2) For the purpose of calculating the amount of pension in respect of a part time employee who was/is initially recruited on a lower scale wage and later fitted on higher scale wages including full scale wages, the length of qualifying service shall be determined in accordance with Appendix IV.

(3) In respect of part time employees who continue to be in the same scale wages since their recruitment, for the purpose of calculating the amount of pension, the actual service put in shall be taken as qualifying service. In such cases the actual pay drawn on scale wages at the time of retirement shall be reckoned for the purpose of average emoluments.

"Note:

The actual service/qualifying service shall be calculated from the date of recruitment or 01.09.1978, whichever is later.";

(f) in Regulation 32, the word 'and' shall be inserted at the end of clause (a);

(g) in Regulation 33, for sub-regulation (1), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

"(1) An employee compulsorily retired from service as a penalty on or after 1st day of November, 1993 in terms of Union Bank of India Officer Employees' (Discipline and Appeal) Regulations, 1976 or awards/settlements may be granted by the authority higher than the authority competent to impose such penalty, pension at a rate not less than two-thirds and not more than full pension

admissible to him on the date of his compulsory retirement if otherwise he was entitled to such pension on superannuation on that date."

- (h) in Regulation 34, for sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-
- "(2) The family of a deceased employee governed by the provisions contained in sub-regulation (7) of regulation 3 shall be eligible for pension or family pension as the case may be, with effect from 1st day of November, 1993.";
- (i) in Regulation 35, for sub-regulation (1), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-
- "(1) Basic Pension and additional pension, wherever applicable, shall be updated as per the formulae given in Appendix I.";
- (j) for Regulation 36, the following regulation shall be substituted, namely :-
- "36. Minimum Pension - The amount of minimum pension shall be,-
- (a) rupees three hundred and seventy five per month in respect of an employee other than a part-time employee where the employee had retired before 1st day of November, 1992 (in case of workmen) or before 1st day of July, 1993 (in case of officers) and proportionate amount thereof in relation to the rate of scale of wages in the case of a part-time employee who had retired before the 1st day of November, 1992;

- (b) rupees seven hundred and twenty per month in respect of an employee other than a part-time employee, where the employee retired on or after the 1st day of November, 1992 (in case of workmen) or on or after the 1st day of July, 1993 (in the case of officers) and proportionate amount thereof in relation to the rate of scale of wages in the case of a part-time employee who retired on or after the 1st day of November, 1992.
- (c) rupees one thousand and fifteen per month in respect of an employee other than a part-time employee where the employee retired on or after the 1st day of April, 1998 and rupees three hundred and thirty nine per month in respect of a part-time employee drawing $\frac{1}{3}$ scale wages, rupees five hundred and eight per month in respect of a part-time employee drawing $\frac{1}{2}$ scale wages and rupees seven hundred and sixty two per month in respect of a part-time employee drawing $\frac{3}{4}$ scale wages where the part-time employee retired on or after the 1st day of April, 1998.";

(k) in Regulation 39, -

- (i) in sub-regulation (1), the following proviso shall be inserted, namely :-

"Provided that in respect of employees who were in the service of the bank on or after the 1st day of January, 1986 and had died while in service on or before the 31st day of October, 1987 or had retired on or before 31st day of October, 1987 but died later, the family of the deceased shall be entitled to family pension, the amount of which shall be determined in accordance with Appendix V."

- (ii) in sub-regulation (3), in clause (a), in sub-clause (ii), the words, bracket, letter 'or clause (b)' shall be deleted;
- (iii) in sub-regulation (3), in clause (a), after sub-clause (ii), the following proviso shall be inserted, namely :-

"Provided that in no case the amount of family pension determined under this clause shall exceed the pension authorised on retirement from the Bank. If the pension authorised to the employee on his retirement is less than the amount of family pension at the ordinary rates then, the family shall be allowed family pension at the ordinary rates.

Explanation : For the purpose of this sub-clause, "pension authorised on retirement" includes part of the pension which the retired employee might have commuted before death.

- (1) in Regulation 40,
- (i) in sub-regulations (1), for clauses (b) and (c), the following clauses shall be substituted, namely :-

"(b) in the case of a son or daughter (including widowed/divorced) till he/she attains the age of twenty-five years or upto the date of his/her marriage/remarriage, whichever is earlier:

Provided the family pension payable to sons/daughters (including widowed/divorced) shall be discontinued/not admissible when the eligible son/daughter starts earning a sum in excess of Rs.2550.00 per month from employment in Government/private sector/self-employment, etc.

Provided further that if the son or daughter of an employee is suffering from any disorder or disability of mind or is physically crippled or disabled so as to render him or her unable to earn a living even after attaining the age of twenty-five years, the family pension shall be payable to such son or daughter for life subject to the following conditions, namely :-

- (i) If such son or daughter is one among two or more children of the employee, the family pension shall be initially payable to the minor children in the order set out in clause (e) of sub-regulation (1) until the last minor child attains the age of twenty-five years and thereafter the family pension shall be resumed in favour of the son or daughter suffering from disorder or disability of mind or who is physically crippled or disabled and shall be payable to him or her for life;
- (ii) If there are more than one such children suffering from disorder or disability of mind or who are physically crippled or disabled, the family pension shall be paid in the order of their birth and the younger of them will get the family pension only after the elder next above him or her ceases to be eligible :

Provided that where the family pension is payable to such twin children it shall be paid in the manner set out in clause (f) of sub-regulation (1) :

- (iii) the family pension shall be paid to such son or daughter through the guardian as if he or she were a minor except in the case of a physically crippled son or daughter who has attained the age of majority;
- (iv) before allowing the family pension for life to any such son or daughter, the Competent Authority shall satisfy that the handicap is of such a nature as to prevent him or her from earning his or her livelihood and the same shall be evidenced by a certificate obtained from a medical officer approved by the Bank, setting out, as far as possible, the exact mental or physical condition of the child;
- (v) The person receiving the family pension as guardian of such son or daughter or such son or daughter not receiving the family pension through a guardian shall produce every three years a certificate from a medical officer approved by the Bank to the effect that he or she continues to suffer from disorder or disability of mind or continues to be physically crippled or disabled.

Explanation—The grant of family pension to disabled children beyond the age limit specified in this regulation is subject to the following conditions, namely -

- (i) a daughter shall become ineligible for family pension under this sub-regulation from the date she gets married;

(ii) the family pension payable to such son or daughter shall be stopped if he or she starts earning his or her livelihood. In such cases, it shall be the duty of the guardian or son or daughter to furnish a certificate to the Bank every month that -

(A) he or she has not started earning his or her livelihood;

(B) in case of daughter that she has not yet married;"

"(c) in the case of parents the family pension payable shall be discontinued/not admissible if the income of one of the parents or the aggregate income of both the parents from employment in Government/private sector/self-employment etc. exceeds Rs. 2550.00 per month."

(ii) for sub-regulation (4), the following sub-regulation shall be substituted, namely :-

"(4) In case both wife and husband are employees of the Bank and are governed by the provisions of this regulation and one of them dies while in service or after retirement, the family pension in respect of the deceased shall be payable to the surviving husband or wife and in the event of death of the husband or wife, the surviving child or children shall be granted the two family pensions in respect of the deceased parents subject to the limits specified below, namely - (a) if the surviving child or children is or are eligible to draw two family pensions at the rates mentioned in sub-clause (i) of clause (a) and sub-clause (i) of clause (b) of sub-regulation (3) of regulation 39, the amount of both pensions shall be limited to -

(i) two thousand five hundred rupees only per annum in respect of employees who retired or died while in service prior to the 1st day of November, 1992 (in the case of workmen) or prior to 1st day of July, 1993 (in the case of officers);

- (ii) four thousand eight hundred rupees per mensem only in respect of employees who retired or died on or after the 1st day of November, 1992 (in the case of workmen) or on or after 1st day of July, 1993 (in the case of officers); and
 - (iii) six thousand seven hundred and fifty six rupees per mensem only in respect of employees, both officers and workmen, who retired or died on or after 1st day of April, 1998.
- (b) if one of the family pensions ceases to be payable at the rates mentioned in sub-clause (i) of clause (a) or sub-clause (i) of clause (b) of sub-regulation (3) of regulation 39 and in lieu thereof the family pension at the rate mentioned in sub-regulation (1) of regulation 39 becomes payable, the amount of both the pensions shall also be limited to -
- (i) two thousand five hundred rupees only per mensem in respect of employees who retired or died while in service prior to the 1st day of November, 1992 (in the case of workmen) or prior to 1st day of July, 1993 (in the case of officers);
 - (ii) four thousand eight hundred rupees per mensem only in respect of employees who retired or died on or after the 1st day of November, 1992 (in the case of workman) or on or after 1st day of July, 1993 (in the case of officers); and
 - (iii) six thousand seven hundred and fifty six rupees per mensem only in respect of employees, both officers and workmen, who retired or died on or after 1st day of April, 1998.

(c) if both the family pensions are payable at the rate mentioned in sub-regulation (1) of regulation 39 amount of the two pensions shall be limited to -

- (i) one thousand two hundred and fifty rupees per mensem in the case of employees who retired or died while in service prior to the 1st day of November, 1992 (in the case of workmen) or 1st day of July, 1993 (in the case of officers);
- (ii) two thousand four hundred rupees per mensem in respect of employees who retired or died on or after the 1st day of November, 1992 (in the case of workmen) or on or after 1st day of July, 1993 (in the case of officers); and
- (iii) three thousand three hundred and seventy eight in respect of employees (both officers and workmen) who retired or died on or after 1st day of April, 1998.";

(iii) in sub-regulation (5), for the proviso to clause (c), the following proviso shall be substituted namely :-

"Provided that on the share or shares of family pension payable to such a child or children or to widow or widows ceasing to be payable, such share or shares, shall not lapse, but shall be payable to the other widow or widows and/or to the other child or children otherwise eligible, in equal shares, or if there is only one widow or child, in full, to such widow or child."

(iv) in sub-regulation (5), after clause (c), the following clause shall be inserted namely :-

"(ca) where the deceased employee or pensioner is survived by a widow but has left behind eligible child or children from a divorced wife or wives, such eligible child or children shall be entitled to the share of family pension which the mother would have received at the time of the death of the employee or pensioner had she not been so divorced:

Provided that on the share or shares of family pension payable to such a child or children or to a widow ceasing to be payable; such share or shares, shall not lapse, but shall be payable to the other widow or widows and/or to the other child or children otherwise eligible, in equal shares, or if there is only one widow or child, in full, to such widow or child."

(m) in regulation 41,-

(a) in sub-regulation (4), for the Notes, the following shall be substituted, namely :-

"Note -

The Table above indicates the commuted value of pension expressed as number of years' purchase with reference to the age of the pensioner as on his next birthday. The commuted value in the case of an employee retiring at the age of fifty eight years is 10.46 years' purchase and, therefore, if he commutes rupees one hundred from his pension within one year of retirement, the lump sum amount payable to him works out to Rs.100 x 10.46 x 12 = Rs. 12,552.";

(b) after the Note as inserted above, the following sub-regulations shall be inserted namely :-

- (5) An employee who had commuted the admissible portion of pension is entitled to have the commuted portion of the pension restored after the expiry of a period of fifteen years from the date of commutation.
- (6) An applicant who is authorised a superannuation pension, voluntary retirement pension, premature retirement pension, compulsory retirement pension, invalid pension or compassionate allowance shall be eligible to commute a fraction of his pension under these regulations.
- (7) In the case of a pensioner eligible for superannuation pension or pension on voluntary retirement or premature retirement pension, no medical examination shall be necessary, if application for commutation is made within one year from the date of retirement. However, if such a pensioner applies for commutation of pension after one year from the date of his retirement, the same will be permitted subject to medical examination :

Provided that in the case of an applicant who is in receipt of a provisional pension as in Regulation 46 and for whom pension in whole or in part on the finalisation of the departmental or judicial proceedings has been authorised, the period of one year referred to in this sub-regulation shall reckon from the date of issue of the orders consequent upon the finalisation of the departmental or judicial proceedings.

- (8) An applicant who -
- (i) retires on invalid pension under regulation 30 of these regulations; or
 - (ii) is in receipt of compassionate allowance under regulation 31 of these regulations; or
 - (iii) is compulsorily retired by the bank and is eligible for compulsory retirement pension under regulation 33

shall be eligible to commute a fraction of his pension subject to the limit specified in sub-regulation (1) after he has been declared fit by a medical officer approved by the Bank.

- (9) The commutation of pension shall become absolute in the case of an employee -

- (a) retiring on superannuation or voluntary retirement who submits an application for commutation of pension before the date of retirement, on the date following the date of retirement :

Provided that the employee governed by sub-regulation (3) of regulation 29 shall not apply for commutation of a part of his pension before the expiry of the notice of three months and the commutation of pension shall become absolute only on the expiry of the period of notice referred to in sub-regulation (1) of regulation 29;

- (b) retiring on superannuation or on voluntary retirement or on premature retirement, if he applies for commutation of pension after the date of retirement but before the completion of one year from the date of retirement, on the date the application for commutation is received by the Competent Authority;

- (c) retiring on superannuation or on voluntary retirement or on premature retirement, if he applies for commutation of pension after one year from the date of retirement, on the date of the medical certificate given by a medical officer approved by the Bank;
- (d) who has retired prior to the 1st day of November, 1993 and who opts to be governed by these regulations, on the 1st day of November, 1993, where the application for commutation is made within the period specified by clause (b) of sub-regulation (1) of regulation 3;
- (e) who was in the service of the Bank on or after the 1st day of November, 1993 but who retired prior to the publication of these regulations on the day immediately following the date of his retirement, where the application is made within the period specified by clause (b) of sub-regulation (2) of regulation 3;
- (f) who retired on or after the 1st day of November, 1993 but died prior to the notified date, on the day immediately following the date of his retirement, where the application for commutation is made by the family of the deceased within the period specified by clause (a) of sub-regulation (5) of regulation 3;
- (g) in respect of whom invalid pension under regulation 30 or compassionate allowance under regulation 31 or compulsory retirement pension under regulation 33 is admissible, commutation shall become absolute on the date of the medical certificate given by a medical officer approved by the Bank."

- (n) for Regulation 48, the following regulation shall be substituted,

"48. Recovery of Pecuniary loss caused to the Bank - (1) The Competent Authority may withhold or withdraw a pension or a part thereof, whether permanently or for a specified period, and order recovery from pension of the whole or part of any pecuniary loss caused to the Bank if in any departmental or judicial proceedings the pensioner is found guilty of grave misconduct or negligence or criminal breach of trust or forgery or acts done fraudulently during the period of his service:

Provided that the Board shall be consulted before any final orders are passed :

Provided further that departmental proceedings, if instituted while the employee was in service, shall, after the retirement of the employee, be deemed to be proceedings under these regulations and shall be continued and concluded by the authority by which they were commenced in the same manner as if the employee had continued in service.

(2) No departmental proceedings, if not instituted while the employee was in service, shall be instituted in respect of an event which took place more than four years before such institution:

Provided that the disciplinary proceedings so instituted shall be in accordance with the procedure applicable to disciplinary proceedings in relation to the employee during the period of his service.

(3) Where the Competent Authority orders recovery of pecuniary loss from the pension, the recovery shall not ordinarily be made at a rate exceeding one-third of the pension admissible on the date of retirement of the employee :

Provided that where a part of pension is withheld or withdrawn, the amount of pension drawn by a pensioner shall not be less than the minimum pension payable under these regulations."

- (o) for Appendix-I the following appendix shall be substituted, namely :-

Appendix-I

(See Regulation 35)

1. The formula for updating basic pension and additional pension in respect of employees who retired during the period 01.01.1986 to 31.10.1987 shall be as under:-

(1) A. (a) 50 percent of first Rs.1000	Rs.	
of the average emoluments		
reckonable for pension		
(b) 45 percent of next Rs.500	Rs.	
(c) 40 percent of the average	Rs.	
emoluments reckonable for		
pension exceeding Rs.1500		
Total of (a+b+c)	Rs.	(A)
B. 50 percent of the average	Rs.	(B)
monthly emoluments for the		
last 10 months in service		
prior to retirement		

- C. Dearness Relief at index Rs. (C)
 number 600 in the All India
 Average Consumer Price Index
 for Industrial Workers in
 the series 1960=100, on
 basis pension calculated
 at (A) above, as per Table
 given below.
- D. Total basic pension Rs. (D)
 $= (B) + (C) \times \text{Number of years of}$
 qualifying service (Maximum of
33 years)
 33
- E. Basic pension as on 01.11.1993 Rs. (E)
 (Rounded off to the next higher
 rupee)

- (2) Special allowances to the extent of the amount ranking for making contributions to the Provident Fund in terms of the Bipartite Settlement dated 10th April, 1989 or Officers' Service Regulations, as the case may be, corresponding to the special allowances drawn at the time of retirement shall be reckoned for the purpose of additional pension.

TABLE

Rates of dearness relief worked out at index number 600 in the All India Average Consumer Price Index for Industrial Workers in the series 1960=100 for all classes of employees who retired during the period 01.01.1986 to 31.10.1987

- (a) Employees in subordinate staff cadre 80.40 per cent of pension calculated at A above
- (b) Employees in clerical staff cadre drawing pension upto Rs.756/- per month. 67 per cent of pension calculated at A above
- (c) Employees in clerical staff cadre drawing pension of Rs. 757/- per month and above will be eligible for dearness relief as under :-

Amount of basic pension drawn per month Rs.	The Amount of Dearness relief admissible Rs.
757 - 796	508.00
797 - 804	534.00
805 - 824	540.00
825 - 844	553.00
845 - 864	567.00
865 - 884	580.00
885 - 904	593.00
905 - 924	607.00
925 - 944	620.00
945 - 964	634.00
965 - 984	647.00
985 -1004	660.00
1005 -1024	674.00
1025 -1044	687.00
1045 -1064	701.00
1065 -1084	714.00
1085 & above	727.00

- (d) Employees in officer cadre shall be eligible for dearness relief as under :

- | | | |
|-------|---|---|
| (i) | For those drawing basic pension upto Rs.765/- per month | 66 per cent of the amount of pension calculated at A above subject to a maximum of Rs.500 |
| (ii) | For those drawing basic pension from Rs.766/- to Rs.1165/- per month. | Rs. 500 |
| (iii) | For those drawing basic pension of Rs. 1166/- per month or above, | 42.90 per cent of amount of pension calculated as at A above subject to a maximum of Rs.715/- |

2. The formula for updating basic pension in respect of workmen who have retired on or after the 1st day of November, 1992 but before the 1st day of September, 1993 and in respect of officers who have retired on or after the 1st day of July, 1993 but before the 1st day of May, 1994 shall be as under :-

- (1) Total of pay drawn as per the old scales for the month/s during the last 10 months of qualifying service. Rs.

- | | | |
|-----|--|-----|
| (2) | Total of dearness allowance
actually drawn or dearness
allowance at 1148 points,
whichever is less, for each
month of pay calculated at
(1) above | Rs. |
| (3) | Total of pay drawn as per (1)
above plus total of dearness
allowance drawn as per (2) above | Rs. |
| (4) | Total of pay drawn as per revised
scales of pay for the month/s
during the last 10 months of
qualifying service including the
month in which the employee
retired | Rs. |
| (5) | Total of columns (3) and (4) | Rs. |
| (6) | Average emoluments for the
purpose of pension
i.e. <u>Total as per (5) above</u>
10 | Rs. |
| (7) | Updated basic pension
50% of (6) above x No. of years of
qualifying service
(<u>max. 33 years</u>)
33 | Rs. |
| (8) | Basic pension (rounded off to
next higher rupee) | Rs. |

3. In respect of workmen who have retired on or after the 1st day of November, 1992 but before the 1st day of November, 1994 and in respect of officers who have retired on or after the 1st day of July, 1993 but before the 1st day of November, 1994 the amount of special allowances in terms of Bipartite Settlement dated 14th February, 1995 or the Officers' Service Regulations, as the case may be, corresponding to the special allowances actually drawn at the time of retirement shall be reckoned for the purpose of computation of additional pension w.e.f. 1st November, 1994.

Provided that for the period from 1st day of November, 1992 or from the date of retirement, whichever is later, till the 31st day of October, 1994 the amount ranking for provident fund at pre-revised rates shall be reckoned for the purpose of computation of additional pension.

4. In respect of employees who have retired on or after the 1st day of November, 1994 and have drawn special allowance both at the pre-revised and revised rates during the last 10 months of service before retirement, the amount of special allowance in terms of the Bipartite Settlement dated 14th February, 1995 or the Officers' Service Regulations, as the case may be, corresponding to the pre-revised special allowance actually drawn at the time of retirement shall be reckoned for the purpose of computation of additional pension.

Note

The amount of revised special allowance drawn on or after the 1st day of November, 1994 shall be reckoned for computation of basic pension.

5. In respect of subordinate staff who have retired on or after the 1st day of November, 1992 and have drawn pre-revised special allowance as also those who have retired on or after the 1st day of November, 1994 and have drawn special allowance both at the pre-revised and revised rates during the last ten months of service before retirement, the amount of special allowance actually drawn at the pre-revised rates shall be reckoned for the purpose of computation of basic pension and shall draw dearness relief at the rates for every rise or fall of 4 points over 600 points in the quarterly average of the All India Consumer Price Index for Industrial Workers in the series 1960=100.
- (p) for Appendix II the following appendix shall be substituted namely :-

Appendix II

(See regulation 37)

Dearness relief on basic pension shall be as under :-

- (1) In the case of employees who were in the workmen cadre and who retired on or after 1st day of January, 1986, but before the 1st day of November, 1992; and in the case of employees who were in the officers' cadre and who retired on or after 1st day of January, 1986, but before the 1st day of July, 1993, dearness relief shall be payable for every rise or be recoverable for every fall, as the case may be, of every 4 points over 600 points in the quarterly average of the All India Average Consumer Price Index for Industrial Workers in the series 1960=100.

Such increase or decrease in dearness relief for every said four points shall be calculated in the manner given below :-

Scale of basic pension
per month

The rate of dearness
relief as a percentage
of basic pension

(1)	(2)
(i) Upto Rs. 1250	0.67 per cent
(ii) Rs.1251 to Rs.2000	0.67 per cent of Rs.1250 plus 0.55 percent of basic pension in excess of Rs.1250
(iii)Rs.2001 to Rs.2130	0.67 per cent of Rs.1250 plus 0.55 per cent of the difference between Rs.2000 and Rs.1250 plus 0.33 per cent of basic pension in excess of Rs.2000
(iv)above Rs.2130	0.67 per cent of Rs.1250 plus 0.55 per cent of the difference between Rs.2000 and Rs.1250 plus 0.33 percent of the difference between Rs.2130 and Rs.2000 plus 0.17 per cent of basic pension in excess of Rs.2130

(2) In the case of employees who are in workmen cadre and who retire on or after 1st day of November, 1992; and in the case of employees who are in the officers' cadre and who retire on or after 1st day of July, 1993, dearness relief shall be payable for every rise or be recoverable for every fall, as the case may be, of every 4 points over 1148 points in the quarterly average of All India Average Consumer Price Index for Industrial Workers in the series 1960=100. Such increase or decrease in dearness relief for every said four points shall be calculated in the manner given below :-

Scale of basic pension
per month

The rate of dearness
relief as a percentage
of basic pension

(1)

(2)

(i) Upto Rs.2400

0.35 per cent

(ii) Rs.2401 to Rs.3850

0.35 per cent of Rs.2400 plus

0.29 per cent of basic

pension in excess of Rs.2400

(iii) Rs.3851 to Rs.4100

0.35 per cent of Rs.2400 plus

0.29 per cent of the difference

between Rs.3850 and Rs.2400 plus

0.17 per cent of basic pension in
excess of Rs.3850

(iv) above Rs.4100

0.35 per cent of Rs.2400 plus

0.29 per cent of the difference

between Rs.3850 and Rs.2400

plus 0.17 per cent of the

difference between Rs.4100 and

Rs.3850 plus 0.09 per cent of

basic pension in excess of

Rs.4100.

(3) In the case of employees who retire on or after the 1st day of April, 1998, dearness relief shall be payable for every rise or be recoverable for every fall, as the case may be, of every 4 points over 1616 points in the quarterly average of the All India Average Consumer Price Index for Industrial Workers in the series 1960=100. Such increase or decrease in dearness relief for every said four points shall be calculated in the manner given below :-

Scale of basic pension
per month

The rate of dearness
relief as a percentage
of basic pension

(i) Upto Rs.3380

0.25 per cent

(ii) Rs.3381 to Rs.5420

0.25 percent of Rs.3380 plus
0.21 percent basic pension in
excess of Rs.3380

(iii) Rs.5421 to Rs.5770

0.25 percent of Rs.3380 plus
0.21 percent of the difference
between Rs.5420 and Rs. 3380 plus
0.12 per cent of basic pension in
excess of Rs.5420

(iv) Above Rs.5770

0.25 percent of Rs.3380 plus
0.21 percent of the difference
between Rs.5420 and Rs.3380 plus
0.12 percent of the difference
between Rs.5770 and Rs. 5420
plus 0.06 percent of basic
pension in excess of Rs.5770

(4) Dearness relief shall be payable for the half year commencing from the 1st day of February and ending with 31st day of July on the quarterly average of the index figures published for the months of October, November and December of the previous year and for the half year commencing from the 1st day of August and ending with the 31st day of January on the quarterly average of the index figures published for the months of April, May and June of the same year.

(5) In the case of family pension, invalid pension and compassionate allowance, dearness relief shall be payable in accordance with the rates mentioned above.

(6) Dearness relief will be allowed on full basic pension even after commutation.

(7) Dearness relief is not payable on additional pension.

(8) Pensioner whose basic pension is less than minimum pension but the aggregate of basic pension and additional pension is more than the minimum pension shall draw dearness relief as applicable to minimum pension.

- (q) for Appendix III, the following appendix shall be substituted namely :-

Appendix III

(See Regulation 39)

The ordinary rates of family pension shall be as under :-

- (a) In respect of employees other than part-time employees, where the employee was in the workmen cadre and retired before 01.11.1992 or where the employee was in the officers' cadre and retired before 01.07.1993.

Scale of pay per month

Amount of monthly family Pension

(1)

(2)

Upto Rs.1500

30 percent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 30 percent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall not be less than Rs.375 per month.

Rs.1501 to Rs.3000

20 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 20 per cent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall not be less than Rs.450 per month

Above Rs. 3000

15 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 15 per cent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall not be less than Rs.600 per month and not more than Rs.1250 per month.

(b) In respect of employees other than part-time employees, where the employee was in the workmen cadre and retired on or after 01.11.1992 or where the employee was in officers' cadre and retired on or after 01.07.1993.

Scale of pay per month

Amount of monthly family pension

(1)

(2)

Upto Rs.2870

30 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 30 per cent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall be subject to a minimum of Rs.720 per month.

Rs.2871 to Rs.5740

20 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 20 per cent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall be subject to a minimum of Rs.860 per month.

Above Rs.5740

15 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 15 per cent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall be subject to a minimum of Rs.1150 per month and a maximum of Rs.2400 per month.

(c) In respect of employees (both officers and workmen) other than part-time employees retiring on or after 01.04.1998 :-

Scale of pay per month

Amount of monthly family pension

(1)

(2)

Upto Rs.4040

30 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 30

Rs. 4040 to Rs. 8080

per cent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall not be less than Rs. 1015 per month.

20 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 20 percent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall not be less than Rs. 1212 per month.

Above Rs. 8080

15 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 15 per cent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall not be less than Rs. 1616 per month and a more than Rs. 3378 per month.

Notes :-

- (1) Dearness relief is not payable on additional family pension.

(2) Scale of pay for the purpose of calculation of family pension as above shall be the aggregate of 'Pay' as defined in sub-clause (s) of regulation 2 and "allowances" as defined in the explanation to sub-regulation (3) of regulation 35.

(3) In the case of a part-time employee, the minimum amount of family pension and maximum amount of family pension shall be in proportion to the rate of scale wages drawn by the employee.

(4) In case the aggregate of basic family pension and additional family pension falls short of minimum pension the pensioner may be given minimum family pension and dearness relief may be paid on such minimum family pension. However, no additional family pension shall be payable over and above the minimum family pension.

(r) for Appendix IV the following Appendix shall be substituted, namely :-

Appendix IV

(See regulation 27)

Actual service on scale wages rendered on permanent part-time basis in one week	Length of corresponding qualifying service for each year of service rendered on permanent part-time basis for calculating the amount of pension
(1)	(2)
six hours or more but upto 13 hours;	one third of a year

more than 13 hours upto 19 hours;	one half of a year
more than 19 hours but upto 29 hours;	three fourth of a year
more than 29 hours;	one year

- (s) after Appendix IV, the following Appendix shall be inserted,
namely :-

Appendix V

(See Regulation 39)

The formula for computing basic family pension and additional family pension in respect of employees who were in the service of the Bank on or after the 1st day of January, 1986 and had died while in service on or before the 31st day of October, 1987 or had retired on or before the 31st day of October, 1987 but died shall be as under :-

(1) Basic Family Pension

- (A) Pay drawn by the deceased employee Rs.
at the time of death/retirement
- (B) Basic family pension at the Rs.
ordinary rate as per Table given
below
- (C) Dearness Relief at index 600 in Rs.
the All India Average Consumer
Price Index for Industrial Workers
in the series 1960=100 as per
Table I given in Appendix-I on
basic family pension calculated at
(B) above.

- (D) Updated basic family pension Rs.
i.e. (B) + (C)
- (E) Updated basic family pension as Rs.
per (D) above (rounded off to
next higher rupee)
- (F) Basic family pension at one and Rs.
half times or twice the updated
basic family pension as the case
may be of (D) above (rounded off
to next higher rupee)

(2) Additional Family Pension

Special allowance to the extent of the amount ranking for making contributions to the Provident Fund in terms of the Bipartite Settlement dated 10.04.1989/Officers' Service Regulations corresponding to the special allowance drawn before retirement/death shall be reckoned for the purpose of additional family pension.

Note :-

- (1) Dearness relief is not payable on additional family pension.
- (2) In case the aggregate of updated basic family pension and updated additional family pension falls short of Rs.375, the pensioner may be paid Rs. 375 with dearness relief thereon in which case no updated additional family pension shall be payable.

Table

Pay Range	Amount of family pension
Below Rs.664/-	30 per cent of 'Pay' shall be the basic family pension plus 30 per cent of the allowances which counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension with a minimum of Rs.100/- and maximum of Rs.166/-.
Rs.664/- and above but below Rs.1992/-	15 per cent of 'Pay' shall be the basic family pension plus 15 per cent of the allowances which counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension with a minimum of Rs.166/- and maximum of Rs.266/-.
Rs.1992/- and above	12 per cent of 'Pay' shall be the basic family pension plus 12 per cent of the allowances which counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension with a minimum of Rs.266/- and maximum of Rs.415/-.

Foot Note :- The principal Regulations were notified in the Gazette of India (Extraordinary) on 29.09.1995 and subsequent amendment(s) to the above Union Bank of India (Employees') Pension Regulations, 1995, were published in the Gazette as per the details given below :

Sr.No.	Notification No.	Dated
-----	-----	-----
1	--	02.01.1999 Gazette Issue No.9 Dated 27.02.1999
2	3	22.05.2002 Gazette Issue No.28 Dated 13.07.2002


(K. L. GOPALAKRISHNA)
GENERAL MANAGER (P)

Employees' Provident Fund Organisation
(Ministry of Labour)
Head Office
New Delhi-110066, Dated

No. E.II/16(22)99/WB—Whereas M/s. Titaghur Jute Mills No. 2 P.O. Titagarh, North 24, Paraganas, Code No. WB/338 had been granted exemption under Section 17(1)(a) of the EPF & MP Act, 1952 vide Notification No. E-102(19)E/A/57 dated 17.10.1957.

And whereas the establishment has failed to follow all the conditions subject to which exemption had been granted like timely remittance of contribution to the Board of Trustees, investment of P.F. monies as per rules, submission of monthly return on time, issuance of annual statement of P.F. account to the subscribers.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Clause (a) of Sub-section (4) of Section 17 of the EPF & MP Act, 1952; I, Ajai Singh, Central Provident Fund Commissioner hereby cancel of exemption granted to M/s. Titaghur Jute Mills No. 2 w.e.f. 30.9.2002.

Ajai Singh
Central Provident Fund Commissioner

प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद द्वारा मुद्रित
एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 2003
PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD, AND
PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 2003